E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 12 | अंक : 214 | गुवाहाटी | मंगलवार, 10 मार्च, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

भाजपा कार्यकर्ता और आम लोग भ्रामक प्रचार का शिकार न बनें : दिलीप सैकिया

गुवाहाटी (हिंस)। असम में आगामी विधानसभा चुनाव के दिन जैसे-जैसे नजदीक आ रहे हैं, यह देखा गया है कि मीडिया के कुछ वर्ग, साथ ही सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर कुछ तत्व, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खिलाफ दुर्भावनापूर्ण प्रचार और जालसाजी समाचार फैलाने में संलग्न हैं। आम लोगों को भ्रमित करने और गुमराह करने के इस जानबूझकर प्रयास के मद्देनजर, असम भाजपा अध्यक्ष और सांसद दिलीप सैकिया ने सभी पार्टी कार्यकर्ताओं से सतर्क रहने और ऐसी प्रचार सामग्री से भ्रमित न होने या जानबूझकर या अनजाने में इन दुर्भावनापूर्ण अभियानों में भागीदार न बनने का आह्वान किया। असम प्रदेश भाजपा मुख्यालय की ओर जारी एक बयान में स्पष्ट रूप से कहा गया कि किसी भी पार्टी कार्यकर्ता को यदि ऐसे षड्यंत्रपूर्ण प्रचार में भाग लेते हुए या उसे सहायता करते हुए पाया जाता है, तो उसके खिलाफ पार्टी द्वारा आवश्यक अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। ज्ञात हो कि पिछले दो दिनों में सोशल मीडिया और समाचार मीडिया के कुछ हिस्सों में पूर्व नियोजित, साजिशपूर्ण और बेबुनियाद रिपोर्टें सामने आई हैं, जो प्रदेश भाजपा सचिव रातुल शर्मा को निशाना बना रही हैं। संबंधित भाजपा कार्यकर्ता ने इस संदर्भ में अपनी स्थिति पहले ही स्पष्ट कर दी है और वह व्यक्ति जिसकी टेलीफोन वार्ता मीडिया में प्रसारित की गई है, ने भी रातुल शर्मा के संबंध में अपनी स्थिति स्पष्ट करते हुए एक स्पष्ट बयान जारी किया है। उक्त व्यक्ति के अनुसार, उन्होंने रातुल शर्मा के साथ रोजगार से जुड़े किसी भी वित्तीय लेन-देन के आरोपों को पूरी तरह से खारिज कर दिया है, जो कुछ तिमाही द्वारा प्रचारित दावों के विपरीत है। चूंकि दोनों पक्षों ने पहले ही स्पष्टीकरण जारी कर दिए हैं, असम भाजपा अध्यक्ष ने मीडिया और सोशल मीडिया के सभी संबंधित वर्गों से अपील की है कि वे आने वाले दिनों में निष्पक्षता और जिम्मेदारी बनाए रखें और केवल दोनों पक्षों के विचारों को लेकर ही समाचार प्रस्तुत करें। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि यदि कोई भी भाजपा कार्यकर्ता सोशल मीडिया या मीडिया के कुछ हिस्सों में प्रकाशित गलत जानकारी के आधारित इस तरह की भ्रामक रिपोर्ट साझा करता है या फैलाता है, तो पार्टी ऐसे व्यक्तियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करने के लिए भी बाध्य होगी। बयान में यह भी जोर दिया गया है कि पार्टी कार्यकर्ताओं को किसी भी तरह की नकली खबर या कुछ स्वार्थी हितों द्वारा जानबूझकर फैलाई गई भ्रामक जानकारी साझा करने या प्रचारित करने से खुद को रोकना चाहिए। उल्लेखनीय है कि, भाजपा ने आगामी विधानसभा चुनावों के लिए अपने उम्मीदवारों की सूची अभी तक नहीं घोषित की है। प्रदेश समिति ने भी अब तक केंद्रीय चुनाव समिति को किसी नामों की सूची नहीं भेजी है, इसकी जानकारी प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने दी। उन्होंने बताया कि सभी गठबंधन सहयोगियों के साथ सीट-विभाजन की व्यवस्थाएं पहले ही अंतिम रूप दे दी गई हैं और प्रस्ताव अनुमोदन के लिए केंद्रीय चुनाव समिति को भेजा जा चुका है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय समिति से अनुमोदन प्राप्त करने के बाद, विवरण सार्वजनिक किए जाएंगे। हालांकि, यह देखा गया है कि मीडिया के कुछ वर्ग नकली उम्मीदवार सूचियां प्रकाशित कर भ्रम फैलाने का प्रयास कर रहे हैं, जिससे जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं और आम जनता में गलतफहमी पैदा करने की कोशिश की जा रही है। इसलिए प्रदेश अध्यक्ष ने सभी से अनुरोध किया है कि वे ऐसे तीसरे पक्ष द्वारा किए जाने वाले भ्रम और असंतोष फैलाने वाले भ्रामक प्रयासों का शिकार न बनें।

राज्य के मंत्री पीयूष हजारिका ने जागीरोड में हॉस्टल का किया उद्घाटन

मोरीगांव (हिंस)। असम के जल संसाधन, सूचना और जनसंपर्क, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री पीयूष हजारिका ने आज जागीरोड के मोहन बंशी दास जूनियर कॉलेज में एक नए बने हॉस्टल का उद्घाटन किया। इसका मकसद दूर-दराज के इलाकों से आने वाले छात्रों को रहने की बेहतर सुविधाएं देना है। मंत्री पीयूष हजारिका ने सोमवार को कहा कि यह पहल इलाके में शैक्षिक वातावरण को मजबूत करने और छात्रों के लिए बेहतर मौके सुनिश्चित करने की दिशा में एक नया कदम है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व में असम सरकार पूरे राज्य में शैक्षिक सुविधाओं को बढ़ाने और बेहतर बनाने की कोशिशें जारी रखे हुए है। पीयूष हजारिका ने जागीरोड चुनाव क्षेत्र में असम माला 3.0 स्कीम के तहत झारगांव से दीपरंग बरपाक होते हुए मलाइबाड़ी तक एक सड़क बनाने का भी उद्घाटन किया। सड़क के एक बार पूरा हो जाने पर, इससे यातायात में सुधार, लोगों के लिए रोजाना का सफर आसान होने और इलाके के विकास को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। एक और विकास कार्यक्रम के तहत हजारिका ने स्टेट ओन प्रायोरिटी डेवलपमेंट स्कीम (एसओपीडी-जी) के तहत जागीरोड में आशीगढ़ होते हुए शिलडुबी से झारगांव तक सड़क बनाने का काम शुरू किया। उन्होंने कहा कि रोड कनेक्टिविटी को मजबूत करना राज्य सरकार की मुख्य प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रोजेक्ट्स से मोबिलिटी बेहतर होगी, स्थानीय विकास को सपोर्ट मिलेगा और इलाके की पूरी कनेक्टिविटी बढ़ेगी।

सवा करोड़ मूल्य की हेरोइन के साथ एक गिरफ्तार

कछार(हिंस)। कछार पुलिस ने असम रायफल्स के जवानों के साथ सिलचर बाईपास पर एक कार से 1.25 करोड़ रुपए की हेरोइन बरामद की। पुलिस ने वाहन जब्त कर चालक को गिरफ्तार कर लिया है। कछार पुलिस मुख्यालय से मिली जानकारी के अनुसार एक खुफिया सूचना के आधार पर असम पुलिस और 38वीं असम राइफल्स ने रविवार की रात एक संयुक्त अभियान चलाया। इस दौरान धोलाई से सिलचर की ओर जा रही एक सफेद रंग की मारुति कार को रात करीब 9-30 बजे सिलचर बाईपास पर रोका। गाड़ी की तलाशी के दौरान लगभग 209 ग्राम वजन वाली हेरोइन से भरे 17 प्लास्टिक के साबुनदानी बरामद हुई। काले बाजार में जब्त सामान की कीमत लगभग 1.25 करोड़ रुपए आंकी गई है।

रंगिया : अभामामस ने ज्येष्ठ महिलाओं के साथ मनाया अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

रंगिया (विभास)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 8 मार्च को विश्वभर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इसी कड़ी में रंगिया की अग्रणी स्वयंसेवी संस्था अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन (अभामामस) की स्थानीय शाखा ने विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया। संस्था की सदस्याओं ने वरिष्ठ महिलाओं को सम्मानित कर यह उत्सव मनाया। कार्यक्रम में सभी सदस्याओं ने ज्येष्ठ महिलाओं को सम्मान प्रदान किया, केक काटा और उनसे आशीर्वाद ग्रहण किया। यह कार्यक्रम रंगिया के वार्ड नंबर 5 में आयोजित किया गया, जिसमें सम्मेलन की बड़ी संख्या में सदस्याएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के अंत में विभिन्न खेल कूद का आयोजन किया गया जिसने वातावरण को और भी उत्साहपूर्ण बना दिया। इस मौके पर सभी सदस्याओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। अभामामस के इस प्रयास ने स्थानीय स्तर पर महिला दिवस को सार्थक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

असम सीआईडी ने साइबर फ्रॉड और गैर-कानूनी सीम रैकेट का किया पर्दाफाश, पांच गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। साइबर क्राइम रोकने में एक बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए असम क्राइम इन्वेस्टिगेशन डिपार्टमेंट (सीआईडी) की साइबर पुलिस स्टेशन ने कार्रवाई करते हुए पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में मोइनुल हक (हाजो), मून कलिता (कायन), कंगाकन कलिता (कायन), हीरक ज्योति कलिता (कायन) और मुस्तकीम अहमद (कायन) शामिल हैं। सीआईडी असम ने सोमवार को बताया कि बीते रविवार को कामरूप जिले में कई जगहों पर मिलकर की गई छापेमारी के दौरान पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया। इस अभियान का उद्देश्य साइबर धोखाधड़ी, सीम कार्ड की गैर-कानूनी खरीद और उन्हें बांटने और आर्थिक धोखाधड़ी के लिए निजी दस्तावेज का गलत इस्तेमाल करके अकाउंट बनाने में शामिल एक व्यवस्था नेटवर्क को टारगेट करना था। खुफिया सूत्रों के आधार पर कार्रवाई करते हुए, भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं- 318(3), 319(2), 336(3), 337, और 61(2) के तहत एक सूओमोटो केस (नंबर 01/2026) दर्ज किया गया। जांच में पता चला कि संदिग्ध लोग गैर-कानूनी तरीके से लगभग 200 सिमकार्ड का इस्तेमाल कर रहे थे, जो टेलीकॉम नियमों का उल्लंघन करते थे और एक बड़े इंटरस्टेट सिंडिकेट का हिस्सा थे। छापेमारी के दौरान मिली खास चीजों में एक हजार से अधिक लोगों के केवाईसी डॉक्यूमेंट्स शामिल है, जो बड़े पैमाने पर पहचान की चोरी और गलत इस्तेमाल का एक गंभीर संकेत है। अलग-अलग लोगों के नाम पर 54 बैंक पासबुक, दस खाली चेक बुक, पांच इस्तेमाल नहीं किए गए डेबिट कार्ड, एक हजार बिना जारी किए सीम कार्ड, लगभग 500 जारी किए गए सीम कार्ड कवर आदि शामिल हैं। शुरुआती जांच से पता चलता है कि जब्त किए गए कई सीम दूसरे राज्यों में पहले से दर्ज साइबर धोखाधड़ी के मामलों से जुड़े थे। इस्तेमाल किए गये सीम की जांच से पता चलता है कि वे सीम बॉक्स अभियान में शामिल थे। यह एक ऐसी तकनीक है जिसका इस्तेमाल लोकल नेटवर्क के जरिए धोखाधड़ी वाले इंटरनेशनल कॉल को रूट करने के लिए किया जाता है, जिससे स्कैमर्स को पता लगाने और ट्रेस करने से बचने में मदद मिलती है। सबसे चिंता की बात यह है कि आरोपित कथित तौर पर एक हैंडलूम ट्रेनिंग सेंटर को दिखावे के तौर पर चलाते थे। उन्होंने महिला उम्मीदवारों से आवेदन मंगाई, नामांकन के नाम पर उनके निजी पहचान के दस्तावेज लिए और फिर धोखे से उन दस्तावेज का इस्तेमाल म्यूल सीम कार्ड एक्टिवेट करने और म्यूल बैंक अकाउंट खोलने के लिए किया।

थुंकुरबारी गांव में महिला एवं बाल स्वास्थ्य शिविर आयोजित, डब्ल्यूआईपीएस बीजीआर की पहल

चिरांग (हिंस)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के *गिव टू गेन* थीम के अंतर्गत फोरम फॉर वूमेन इन पब्लिक सेक्टर (डब्ल्यूआईपीएस) बंगाईगांव रिफाइनरी (बीजीआर) द्वारा सोमवार को चिरांग जिले के थुंकुरबारी गांव में एक विशेष नि:शुल्क महिला एवं बाल स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम बंगाईगांव रिफाइनरी अस्पताल तथा चिरांग जिला स्वास्थ्य प्राधिकरण के सहयोग से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। रिफाइनरी की डब्ल्यूपीएस बीजीआर पहल के तहत आयोजित इस शिविर का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं और बच्चों की स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करना था। कार्यक्रम का उद्घाटन रिफाइनरी के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा किया गया, जिसमें सामुदायिक सेवा के प्रति समर्पित चिकित्सकों की टीम भी उपस्थित रही। इस अवसर पर जीएम (एचएसई एवं पीएसएम) रूपा ताइकाम ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के महत्व पर अपने विचार व्यक्त करते हुए महिला सशक्तिकरण तथा आसपास के क्षेत्रों की महिलाओं के समग्र स्वास्थ्य और कल्याण के प्रति रिफाइनरी की प्रतिबद्धता को दोहराया। कार्यक्रम के दौरान सीएम (एचएसई एवं मेडिकल) डॉ. रूपम तालुकदार ने एनीमिया विषय पर जागरूकता सत्र आयोजित किया।

कोकराझाड़ मेडिकल कॉलेज अस्पताल में छात्रावास परियोजनाओं का शिलान्यास

कोकराझाड़ (हिंस)। बोड़ोलैंड टेरिटोरियल काउंसिल (बीटीसी) के प्रमुख हग्रामा महिलारी ने सोमवार को कोकराझाड़ मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में छात्रावास भवनों के निर्माण कार्यों का शिलान्यास किया। इन परियोजनाओं का उद्देश्य संस्थान में पढ़ने वाले छात्रों, नर्सों और मेडिकल रेजिडेंट्स के लिए आवासीय सुविधाओं को सुदृढ़ बनाना है। इस परियोजना के अंतर्गत 100-100 बिस्तरों वाले गर्ल्स हॉस्टल, बॉयज हॉस्टल और नर्सेस हॉस्टल का निर्माण किया जाएगा। प्रत्येक भवन की अनुमानित लागत 6.66 करोड़ रुपए निर्धारित की गई है। इन छात्रावास भवनों का निर्माण जी+2 (ग्राउंड प्लस दो मंजिल) संरचना के तहत किया जाएगा। भवनों में सिंगल और डबल बेड वाले कमरे, रसोई एवं भोजन कक्ष, प्रतीक्षालय, कॉमन रूम, शौचालय ब्लॉक तथा आंतरिक मार्ग सहित परिसर का समुचित विकास किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, बीटीसी प्रमुख ने 100 बिस्तरों की क्षमता वाले रेजिडेंट्स हॉस्टल का भी शिलान्यास किया। यह परियोजना दो भवनों में निर्मित की जाएगी, जिनमें प्रत्येक में 50-50 बिस्तरों की व्यवस्था होगी। इस परियोजना की अनुमानित लागत 9.91 करोड़ रुपए है और इसे जी+1 (ग्राउंड प्लस एक मंजिल) संरचना में तैयार किया जाएगा। इस छात्रावास में डबल बेड वाले कमरे, संलग्न शौचालय, रसोई सुविधा के साथ आंतरिक मार्ग और परिसर विकास कार्य शामिल होंगे। इस अवसर पर बीटीसी के कार्यकारी सदस्य डेरहसात बसुमतारी, प्रकाश बसुमतारी, सचिव कर्मदेव ब्रह्म सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। इन छात्रावास भवनों के निर्माण से कोकराझाड़ मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में छात्रों, नर्सों और रेजिडेंट डॉक्टरों के लिए आवासीय सुविधाओं में महत्वपूर्ण सुधार होने की उम्मीद है।

होजाई में 14 को राष्ट्रीय लोक अदालत संभव विवादों का त्वरित निपटारा होगा

होजाई (निसं)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए), होजाई के तत्वावधान में 14 मार्च 2026 (शनिवार) को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। असम राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (एएसएलएसए) के निर्देश पर यह आयोजन हो रहा है, जिसमें चेक बाउंस, वाहन दुर्घटना, वैवाहिक विवाद जैसे कई मामलों का समझौते से निपटारा संभव होगा। डीएलएसए की सचिव श्रीमती मेरिलिन हाजरिका ने बताया, *लोक अदालत से पहले वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग या सशरीर प्री-कंसल्टेशन बैठकें आयोजित होंगी। इससे पक्षकारों को चर्चा के जरिए मामला सुलझाने का मौका मिलेगा।* उन्होंने कहा कि इसमें एमएसीटी कोर्ट, एनआई एक्ट के चेक बाउंस मामले, मोटर व्हीकल (एमवी) कोर्ट, धन वसूली, श्रमिक विवाद, जन उपयोगिता सेवा (पीयूएस) और समझौते योग्य आपराधिक व दीवानी मामले शामिल हैं। प्राधिकरण ने बैंकों, एपीडीसीएल, बीएसएनएल और बीमा कंपनियों को जिला बैंक मैनेजर के माध्यम से भाग लेने के निर्देश दिए हैं। पैनल वकीलों को भी प्री-कोर्ट बैठकें सुचारू बनाने का आह्वान किया गया है। एएसएलएसए ने स्थानीय नागरिकों से अपील की है कि वे इस अवसर का लाभ उठाएं और लंबित मामलों का तेजी से निपटारा कराएं। अधिक जानकारी के लिए एएसएलएसए कार्यालय से संपर्क करें।

सतिया में भी चल प्रशासन का बुलडोजर

विश्वनाथ (विभास)। आज सतिया में तीन जगहें पर बिश्वनाथ जिला प्रशासन ने सरकारी जमीन पर कब्जा बनाए रखे लोगों को बेदखल किया है। यह ऑपरेशन सरकारी कंट्रोल वाली जमीन पर कब्जा करने वालों के खिलाफ चलाया जा रहा है। सतिया के मिलानपुर में 34 परिवारों, सराईजनिया में 16 परिवारों और सोलोहोला में 15 परिवारों को बेदखल किया गया है, जिसमें बेदखली ऑपरेशन के दौरान कोई अनहोनी न हो, इसको ध्यान में रखते हुए 200 पुलिस/सीआरपीएफ के जवान पहले ही तैनात कर दिए गए थे। बेदखली ऑपरेशन से पहले ही कब्जा करने वाले लोग चले गए थे। एडमिनिस्ट्रेशन ने कब्जा करने वालों से करीब 75 बीघा सरकारी जमीन खाली कराई हैं।

पड़ोसी के हमले में महिला का हाथ कटा

श्रीभूमि (हिंस)। श्रीभूमि जिले में पड़ोसियों के साथ झगड़े के बाद हुए हिंसक हमले में एक महिला का हाथ कथित तौर पर कट गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। पुलिस ने सोमवार को बताया कि पीड़िता, जिसका नाम अस्मा बेगम है, पर बीती देर रात नीलामबाजार पुलिस स्टेशन के तहत गोलाघाट गांव में एक धारदार हथियार से हमला किया गया। शुरुआती जानकारी के अनुसार, यह घटना अस्मा बेगम के परिवार और एक पड़ोसी मीरा हुसैन के परिवार के बीच झगड़े की वजह से हुई। कथित तौर पर रात में बहस बढ़ गई, जब आरोपित ने बेगम पर धारदार हथियार से हमला कर दिया, जिससे उसका हाथ कट गया।

गवर्नर एफआईसीसीआई लेडीज ऑर्गेनाइजेशन विमेन अचीवर्स अवॉर्ड 2026 में शामिल हुए

गुवाहाटी। राज्य के गवर्नर लक्ष्मण प्रसाद आचार्य, आज यहां शहर के एक होटल में एफआईसीसीआई लेडीज ऑर्गनाइजेशन (एफआईसीसीआई एफएलओ), नॉर्थईस्ट चैप्टर द्वारा ऑर्गनाइज किए गए विमेन अचीवर्स अवॉर्ड 2026 सेरेमनी में शामिल हुए। इस इवेंट में नॉर्थईस्ट के अलग-अलग फील्ड की पांच बेहतरीन महिला अचीवर्स को सम्मानित किया गया। इस मौके पर बोलते हुए, गवर्नर ने कहा कि 8 मार्च को इंटरनेशनल विमेंस डे मनाने के बाद, यह अवॉर्ड सेरेमनी समाज में महिलाओं की ताकत और योगदान को पहचानने का एक सार्थक सिलसिला था। उन्होंने अवॉर्ड पाने वालों को बधाई दी और उनके डेडिकेशन, लगन और अचीवमेंट्स की तारीफ की, जिसने उन्हें अपने-अपने फील्ड में रोल मॉडल बना दिया है। संस्कृत के श्लोक, *यत्र नार्यस्तु पूज्यंते रमंते तत्र देवता:* -जिसका मतलब है जहां महिलाओं का सम्मान होता है, वहां भगवान निवास करते हैं, को कोट करते हुए गवर्नर ने कहा कि असम और नॉर्थईस्ट के दूसरे राज्यों में महिलाओं की हिम्मत और योगदान को सम्मान देने की एक समृद्ध परंपरा रही है। उन्होंने सती जॉयमोती और कनकलता बरुआ जैसी महान हस्तियों को बहादुरी और बलिदान के प्रतीक के रूप में याद किया। देश बनाने में महिलाओं की भागीदारी के महत्व पर जोर देते हुए, गवर्नर ने कहा कि देश की तरक्की के लिए महिलाओं को मजबूत बनाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार और मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व में असम सरकार ने अलग-अलग कल्याण और विकास योजनाओं के जरिए महिलाओं को मजबूत बनाने के लिए कई पहल की हैं। बता दें कि ये अवॉर्ड असम के धनंदा पाठक, जो कामरूपी लोक गीत के एक्सपर्ट हैं, मेघालय के कोइन वाहलांग, जो मैराथन रनर हैं, मिजोरम की सोशल एंटरप्रेन्योर सुश्री जोमावी खियांगटे, त्रिपुरा की एंटरप्रेन्योर और एक्सपोर्टर रत्ना डे, और मणिपुर के के. चोखोन, जो डायन्थे प्राइवेट लिमिटेड के फाउंडर और ष्टश्वह्र हैं, को दिए गए। इस मौके पर असम की फर्स्ट लेडी श्रीमती कुमुद देवी, ऑर्गनाइजेशन की प्रेसिडेंट रश्मि मनचंदा, सीनियर वाइस प्रेसिडेंट प्रोनिता बरुआ, एफआईसीसीआई एफएलओ के ऑफिस बेयरर्स और कई दूसरे जाने-माने गेस्ट मौजूद थे।

रूपोही रंगिया का सातवां वार्षिक स्थापना दिवस आयोजित

रंगिया (विभास)। रंगिया शहर में स्थित अग्रणी सामाजिक-सांस्कृतिक स्वयंसेवी संस्था *रूपोही रंगिया* ने अपने सातवें वार्षिक स्थापना दिवस को भव्य रूप से मनाया। यह महत्वपूर्ण आयोजन रविवार को स्थानीय आई.टी.आई. प्रेक्षागृह में किया गया, जिसमें सामाजिक कार्यकर्ताओं, युवाओं और स्थानीय निवासियों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन और मंच के साथ किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में नगाड़ा नाम के महान व्यक्तित्व अच्युत डेका उपस्थित रहे, जिन्होंने संस्था के सात वर्षों के सफर पर प्रकाश डालते हुए युवाओं को सामाजिक सेवा के प्रति प्रेरित किया। वहीं श्रीमंत शंकरदेव संघ के आजीवन प्रचारक मणिराम दास ने भी अपने प्रेरणादायक संबोधन से सभी को प्रभावित किया। इनके अलावा अन्य विशिष्ट अतिथियों ने भी भाग लेकर संस्था के योगदान पर चर्चा की। उल्लेखनीय है कि स्थापना दिवस के अवसर पर संस्था ने कार्यकुशलता और सामाजिक योगदान के आधार पर कई योग्य व्यक्तियों को सम्मानित किया। इस श्रृंखला में कर्मोद्यमी रुपोही रंगिया रत्न सम्मान 2026 के लिए चयनित किये गए व्यक्तियों में राज्यसभा के सांसद भुवनेश्वर कलिता, गोपालपुर के नगाड़ा नाम के पाठक अच्युत डेका, अमेरिका महाकश अनुसंधान संस्था नासा की स्वीकृति प्राप्त रंगिया वार्ड नं 3 निवासी आर्यान जीसान अहमद, कर्मोद्यमी रुपोही रंगिया विशेष सम्मान -2026 के लिए चयनित श्रीमंत शंकरदेव के प्रचारक मणिराम दास, नगाड़ा नाम के पाठक कैलाश तालुकदार, श्मशान मित्र धृतिमाला डेका, कर्मोध्यमी रूपोही रंगिया वर्षीयान सम्मान 2026 के लिए सेवानिवृत्त अध्यापक पविन कलिता, अधिवक्ता हिरण्य चौधुरी, सामाजिक कार्यकर्ता कैलाश जैन, देवेन शर्मा, कर्मोद्यमी रुपोही रंगिया पर्यावरण स्वच्छता सम्मान 2026 के लिए चयनित रंगिया पौरसभा के अध्यक्ष अमरेंद्र लहकर, कर्मोध्यमी रूपोही रंगिया युवा उद्यमी के लिए चयनित युवा व्यवसाई हेमेन कलिता, रंगिया आई टी आई के मालिक ध्रुवज्योति कलित, कर्मोध्यमी रूपोही रंगिया डिजिटल/प्रिंट मीडिया -2026 के लिए चयनित ड0 कुमुद दास, अंकुर कलिता, दीपक कुमार कलिता, नयनज्योति दास, दिनेश कुमार अग्रवाल सामसुल हक, नयन ज्योति तालुकदार, होरु खान सहित कर्मोद्यमी रुपोही रंगिया श्रेष्ठ कैमरा पर्सन सम्मान 2026 के लिए चयनित ध्रुवज्योति दास, दीपांकर बरुआ और इंताज अली को फूलाम गामोछा, सेलेंग चद्दर, मानपत्र और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। जोकि रंगिया क्षेत्र के सामाजिक उत्थान में उनके अग्रणी योगदान को मान्यता प्रदान करते है। कार्यक्रम के सफलतापूर्वक समापन पर संस्था के संचालक अरूप कुमार दास ने मंच से उपस्थित सभी अतिथियों और कार्यकर्ताओं के प्रति हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि यह आयोजन *रूपही रंगिया* के सात वर्षों के निरंतर प्रयासों का प्रतीक है, जो सामाजिक- सांस्कृतिक क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छूने के लिए कटिबद्ध है।

भारत में लंग ट्रांसप्लांटेशन के बाद लंबे समय तक जीवित रहना : क्या यह सच है

गुवाहाटी। चेन्नई के कावेरी हॉस्पिटल के सूत्रों ने बताया कि लंग ट्रांसप्लांटेशन, खराब नतीजों वाले एक एक्सपेरिमेंटल प्रोसीजर से, एंड-स्टेज लंग डिजीज के लिए एक जानी-मानी जान बचाने वाली थेरेपी बन गया है। भारत में, लंग ट्रांसप्लांटेशन के बाद लंबे समय तक जीवित रहने पर अक्सर सवाल उठते हैं, क्योंकि इसमें देर से रेफर करना, इन्फेक्शन और अंगों की सीमित उपलब्धता जैसी चुनौतियाँ होती हैं। हम नीचे एंड-स्टेज इंटरस्टीशियल लंग डिजीज (आईएलडी) वाले एक मरीज का केस बता रहे हैं, जिसका डबल लंग ट्रांसप्लांटेशन (डीएलटी) हुआ था और उसने ट्रांसप्लांट के बाद 11 साल पूरे कर लिए हैं और उसकी फंक्शनल रिकवरी अच्छी है। एक 54 साल के पुरुष को दो साल से सांस लेने में लगातार तकलीफ हो रही थी, जो हल्की मेहनत करने पर भी हो जाती थी, और छह साल से सूखी खांसी की हिस्ट्री थी। जांच करने पर पता चला कि मरीज को तेज सांस लेने में दिक्कत थी और वह ऑक्सीजन पर निर्भर था। मरीज को 2009 में इंटरस्टीशियल लंग डिजीज (जीआरडी) होने का पता चला था। उसकी बीमारी धीरे-धीरे बढ़ती गई, और 2012 तक उसे लगातार ऑक्सीजन थेरेपी की जरूरत पड़ी। उसे लंग ट्रांसप्लांट की जांच के लिए हमारे सेंटर में भेजा गया। और रिस्क फैक्टर्स में कमजोरी, ऑस्टियोपोरोसिस और गैस्ट्रो-इसोफेगल रिफ्लक्स डिजीज (जीईआरडडी) शामिल थे। ट्रांसप्लांट से पहले इन्हें ऑप्टिमाइज किया गया था। मरीज को डबल लंग ट्रांसप्लांट के लिए लिस्ट किया गया था और 21 नवंबर 2014 को उसका (डीएलटी) हुआ और ऑपरेशन के 9वें दिन होम नर्सिंग और फिजियोथेरेपी सपोर्ट के साथ उसे छुट्टी दे दी गई। ट्रांसप्लांट के बाद मरीज को सांस लेने में तकलीफ, खांसी और वजन काफी कम हो गया। जिससे ठीक होने के लिए कुछ सेशन की जरूरत पड़ी। अभी, मरीज को डबल लंग ट्रांसप्लांट के 11 साल हो गए हैं, वह ठीक से काम कर रहा है, अपना खुद का बिजनेस चलाता है, और जरूरी सावधानियों के साथ इंटरनेशनल ट्रैवल करता है। इस तरह, यह केस दिखाता है कि भारत में लंग ट्रांसप्लांटेशन के बाद लंबे समय तक जीवित रहना एक असली और हासिल किया जा सकने वाला लक्ष्य है। बढ़ती एक्सपर्टाइज और इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ, भारत में लंग ट्रांसप्लांटेशन ग्लोबल स्टैंडर्ड्स जैसे नतीजे दे सकता है।

शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 12 | अंक : 214 | गुवाहाटी | मंगलवार, 10 मार्च, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

मौलाना सलीम के खिलाफ फूटा आक्रोश हिंदू युवा वाहिनी ने प्रदर्शन कर फूंका पुतला पेज 5
ग्लोबल मार्केट से जबरदस्त कमजोरी के संकेत एशिया में भी चौतरफा... पेज 6
विश्वकप से पहले टूट चुके थे संजू, सचिन तेंदुलकर की सलाह से लौटा आत्मविश्वास पेज 7
खाली पेट खाएं अंगूर, इन बीमारियों से रहेंगे हमेशा दूर पेज 8

असम, बंगाल समेत सभी दूसरे राज्यों में विस चुनाव का एलान इसी हफ्ते

नई दिल्ली। भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) इस हफ्ते असम, केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और पुडुचेरी में विधानसभा चुनावों के शेड्यूल की घोषणा कर सकता है। उम्मीद है कि चुनाव आयोग, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की अगुवाई में अपनी पूरी बेंच के साथ चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी के पश्चिम बंगाल के दौरे के पूरा होने के बाद चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश (यूटी) में चुनावों की घोषणा करेगा। मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्त अभी पश्चिम बंगाल में आने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारियों का रिव्यू करने के लिए वहां हैं। असम विधानसभा का कार्यकाल 20 मई को खत्म होने वाला है, जबकि केरल का कार्यकाल 23 मई को खत्म होगा। तमिलनाडु विधानसभा का कार्यकाल 10 मई को खत्म हो रहा है, और पश्चिम बंगाल विधानसभा का कार्यकाल 7 मई को खत्म होगा। चुनाव आयोग के सूत्रों ने ईटीवी भारत को बताया कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की अगुवाई में चुनाव आयोग की पूरी बेंच ने आने वाले विधानसभा चुनावों की तैयारियों का रिव्यू करने के लिए असम, तमिलनाडु, पुडुचेरी, केरल का दौरा किया। अब, पूरी बेंच चुनाव वाले पश्चिम बंगाल के दौरे पर है। पश्चिम बंगाल में चुनाव की तैयारियों का रिव्यू करने के बाद, पूरी बेंच 10 मार्च को दिल्ली लौटेगी। उन्होंने कहा कि इसके बाद चुनाव आयोग इन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश में विधानसभा चुनावों के शेड्यूल की घोषणा पर फैसला करेगा। संभावना है कि इसी हफ्ते घोषणा की जा सकती है। सूत्रों ने आगे कहा कि चुनाव आयोग इन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेस में विधानसभा चुनाव कराने के लिए पूरी तरह तैयार है। जिसका मकसद स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराना है। असम, पश्चिम बंगाल, केरल, तमिलनाडु और पुडुचेरी के विधानसभा चुनावों में, चुनाव आयोग पहली बार सभी पोलिंग स्टेशनों पर 100 प्रतिशत वेबकास्टिंग लागू करेगा। उन्होंने कहा कि इस पहल का मकसद चुनावी प्रक्रिया की रियल-टाइम मॉनिटरिंग को आसान बनाना है। चुनाव आयोग सूत्रों ने बताया कि रिटर्निंग ऑफिसर (आरओ), जिला चुनाव अधिकारी (डीईओ), और मुख्य चुनाव अधिकारी (सीईओ) स्तर पर मॉनिटरिंग टीमें बनाई जाएंगी। उन्होंने कहा कि इस कदम का मकसद यह पक्का करना है कि चुनाव फ्री और फेयर तरीके से हो। खास बात यह है कि बिहार वह राज्य था, जहां पिछले साल के आखिर में हुए विधानसभा चुनावों के दौरान सभी पोलिंग स्टेशनों पर 100 प्रतिशत वेबकास्टिंग हुई थी। पहले, महत्वपूर्ण मतदान केंद्रों के अलावा 50 प्रतिशत पोलिंग स्टेशनों पर वेबकास्टिंग जरूरी थी। असम और केरल जैसे राज्यों में चुनाव आयोग की पूरी बेंच के साथ बातचीत के दौरान अलग-अलग जानी-मानी राष्ट्रीय और क्षेत्रीय राजनीतिक पार्टियों के प्रतिनिधि के दिए गए सुझावों का जिक्र करते हुए, जिसमें कहा गया था कि चुनाव का शेड्यूल घोषित करते समय आने वाले स्थानीय त्योहारों का भी ध्यान रखा जाए, उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग ने इस पर ध्यान दिया है। असम में, पिछले महीने, फुल बेंच की बातचीत के दौरान, अधिकतर राजनीतिक पार्टियों ने अपील की थी कि चुनाव एक ही फेज में या अधिक से अधिक दो फेज में कराए जाएं। उन्होंने आने वाले बिहू त्योहार को ध्यान में रखते हुए विधानसभा चुनाव की तारीखें तय करने की मांग की। चुनाव आयोग के सूत्रों के मुताबिक, आने वाले विधानसभा चुनावों में वोटर्स की भागीदारी बढ़ाने के लिए, व्यवस्थित मतदाता शिक्षा और चुनावी भागीदारी (एसवीईईपी) के तहत कई पहल की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी गतिविधियां मतदाताओं को चुनाव प्रक्रिया में सक्रियता से भाग लेने और लोकतंत्र को मजबूत करने में मदद करती हैं। -शेष पृष्ठ छह पर

16-17 मार्च तक असम चुनाव के उम्मीदवारों की घोषणा करेगी भाजपा : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी/नलबाड़ी। सोमवार को *जन आशीर्वाद यात्रा* के पहले चरण के समापन दिवस पर, असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने घोषणा की कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) मार्च के मध्य तक अपने उम्मीदवारों की सूची जारी करेगी। 16 या 17 तारीख तक भाजपा उम्मीदवारों की सूची जारी हो जाएगी। हमारे पास केवल एक ही सूची होगी और इसे जारी होने में केवल एक दिन लगेगा, उन्होंने बोजाली में प्रेस को बताया। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि भगवा पार्टी बोडोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र (बीटीआर) में चार सीटों पर चुनाव लड़ेगी, जबकि बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) 11 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। उन्होंने प्रेस को बताया कि हमने बीपीएफ को बीटीआर में 11 सीटों पर चुनाव लड़ने की अनुमति देने का फैसला किया है, जबकि भाजपा केवल चार सीटों पर चुनाव लड़ेगी। यह कहते हुए कि भाजपा यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी लिबरल (यूपीपीएल) के साथ गठबंधन नहीं करेगी, शर्मा ने कहा कि यूपीपीएल बीपीएफ के साथ गठबंधन कर सकती है, हमारे साथ नहीं। यूपीपीएल के साथ सीट बंटवारे की बातचीत बीपीएफ के साथ उन 11 सीटों को लेकर ही करनी होगी, क्योंकि भाजपा के साथ आगे की बातचीत की कोई गुंजाइश नहीं है। -शेष पृष्ठ छह पर

कांग्रेस ने राज्य को विकास में उचित हिस्सेदारी से वंचित रखा गया : डॉ. शर्मा

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को कहा कि राज्य को अब विकास परियोजनाओं में प्राथमिकता मिल रही है और *डबल इंजन* सरकार के तहत प्रमुख बुनियादी ढांचागत पहलों को रिकॉर्ड समय में पूरा किया जा रहा है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में, शर्मा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकारों के कार्यकाल के दौरान असम को विकास परियोजनाओं में उसका उचित हिस्सा नहीं मिला और पहले स्वीकृत कई परियोजनाओं में काफी देरी हुई। मुख्यमंत्री ने लिखा कि कांग्रेस के शासनकाल में असम को विकास परियोजनाओं में उसका उचित हिस्सा कभी नहीं मिला और जो भी परियोजनाएं मिलीं, उनमें देरी हुई। उन्होंने आगे कहा कि दोहरे इंजन वाली सरकार के तहत स्थिति बदल गई है, जिसका संदर्भ केंद्र और राज्य दोनों में एक ही पार्टी के सत्ता में होने से है। डबल इंजन सरकार के नेतृत्व में, असम को न केवल प्राथमिकता दी जा रही है, बल्कि रिकॉर्ड समय में परियोजनाएं पूरी की जा रही हैं, शर्मा ने कहा। स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र -शेष पृष्ठ छह पर

चुनावी हिंसा पर *शून्य सहनशीलता* की नीति अपनाएगा आयोग : ज्ञानेश कुमार

कोलकाता (हि.स.)। पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच भारत निर्वाचन आयोग के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने राजनीतिक दलों को आश्वस्त किया है कि पश्चिम बंगाल में स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव सुनिश्चित करने के लिए आयोग सभी आवश्यक कदम उठाएगा। उन्होंने स्पष्ट कहा कि चुनावी हिंसा के मामले में आयोग की नीति *शून्य सहनशीलता* की होगी। कोलकाता में सोमवार को आयोजित बैठक के दौरान ज्ञानेश कुमार ने कहा कि भारत में चुनाव पूरी तरह कानून के अनुसार कराए जाते हैं और चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता बनाए रखने के लिए आयोग कोई कसर नहीं छोड़ेगा। इस बैठक में चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी के साथ पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी और आयोग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। सूत्रों के अनुसार, बैठक का उद्देश्य विभिन्न राजनीतिक दलों की चिंताओं और सुझावों को सुनना तथा चुनाव प्रक्रिया को और मजबूत बनाने में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करना था। बैठक को व्यवस्थित तरीके से संचालित किया गया, जिसमें प्रत्येक राजनीतिक दल को अपनी बात रखने के लिए लगभग -शेष पृष्ठ छह पर

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

चुनाव से पहले अगप के जयंत खाउंद समेत 16 नेता कांग्रेस में शामिल

नई दिल्ली (हि.स.)। असम गण परिषद (अगप) के राष्ट्रीय मुख्य वित्त सचिव रहे जयंत खाउंद सहित 16 नेता सोमवार को कांग्रेस में शामिल हो गए। इन सभी नेताओं ने यहां कांग्रेस मुख्यालय में असम प्रभारी महासचिव जितेन्द्र सिंह, पीसीसी अध्यक्ष गौरव गोगोई और असम के वरिष्ठ पर्यवेक्षक डीके शिवकुमार की उपस्थिति में पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। गौरव गोगोई ने कहा कि आज असम विधानसभा चुनाव के संदर्भ में बहुत महत्वपूर्ण दिन है। असम के लोग जयंत खाउंद को भली-भांति जानते हैं और वह लंबे समय से जनता के लिए काम करते रहे हैं। पिछले कुछ समय से जयंत खाउंद कांग्रेस के संपर्क में थे और उन्होंने -शेष पृष्ठ छह पर

मुख्यमंत्री ने पीपीपी मॉडल के तहत काजीरंगा धरोहर का उद्घाटन किया

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने 3 मार्च, 2026 को काजीरंगा हेरिटेज का उद्घाटन किया, जो विरासत आतिथ्य सत्कार में राज्य की पहली बड़ी सार्वजनिक-निजी भागीदारी की शुरुआत है। यह परियोजना यूनेस्को-सूचीबद्ध काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान के परिदृश्य में पर्यावरण-पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए असम पर्यटन विकास निगम और सेंटर प्वाइंट हॉस्पिटैलिटी ग्रुप को एकजुट करती है। ब्रह्मपुत्र के बाढ़ के मैदानों और कोहोरा नदी के बीच बसा यह ऐतिहासिक परिसर औपनिवेशिक काल की वास्तुकला और आधुनिक आवासों का अनूठा संगम प्रस्तुत करता है। इसके केंद्र में बोनानी बंगला स्थित है, जो 1938 में निर्मित एक इमारत है और जिसके अतिथि अभिलेख काजीरंगा के नाजुक घास के मैदानों से वैश्विक वन्यजीव अभयारण्य में परिवर्तन को दर्शाते हैं। ऊंचे चबूतरे, चौड़े बरामदे और ढलान वाली छतें मौसमी बाढ़ और मानसून का सामना करने में सक्षम हैं, जो असम की व्यावहारिक भवन निर्माण शैली को प्रतिबिंबित करती हैं। विरासत क्षेत्रों में फैले 28 कमरे: बोनानी बंगलो में 10, बोनोश्री में आठ (जिनमें असम की पारिस्थितिकी और वैष्णव परंपराओं पर आधारित कला और साहित्य प्रदर्शित है), नदी किनारे छह कॉटेज और ऑर्किड पार्क के नजारे वाले प्लंज पूल से सुसज्जित चार लक्जरी सुइट। प्राकृतिक सामग्रियों और उन्नत डिजाइनों में जलवायु परिवर्तन के प्रति सहनशीलता को प्राथमिकता दी गई है। 48 सीटों वाला यह रेस्तरां लकड़ी के चूल्हे पर पकाए जाने वाले असमिया व्यंजनों को पुनर्जीवित करता है, जिसमें स्थानीय सामग्रियों का उपयोग किया जाता है और दक्षिण-पूर्व एशियाई -शेष पृष्ठ छह पर

सुप्रभात
कार्य-सिद्धि के लिए हस्त-कौशल का उपयोग करना चाहिए।
- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

टीम इंडिया की सफलता संयम और आत्मविश्वास की शक्ति का प्रमाण है : पीएम

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने टी 20 क्रिकेट विश्व कप में भारतीय टीम की ऐतिहासिक जीत की सराहना करते हुए इसे जीवन के बड़े लक्ष्यों को प्राप्त करने का एक जीवंत उदाहरण बताया है। उन्होंने कहा कि टीम इंडिया की यह उपलब्धि केवल खेल -शेष पृष्ठ छह पर

गुवाहाटी में निर्मित असम का सबसे लंबा फ्लाईओवर खुलेगा आज

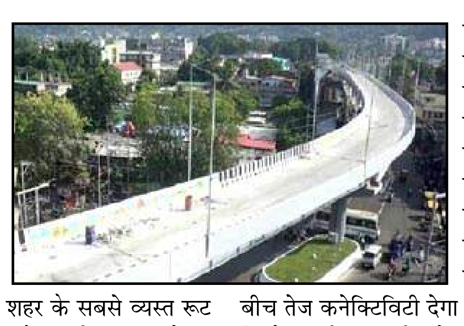

गुवाहाटी (हि.स.)। गुवाहाटी में शहरी कनेक्टिविटी को एक बड़ा बढ़ावा मिलने वाला है। असम का सबसे लंबा एलिवेटेड कॉरिडोर 10 मार्च को आम लोगों के लिए खुल जाएगा। लगभग 5.5 किलोमीटर लंबा गुवाहाटी के नूनमाटी को दिघालीपुखुरी से जोड़ने वाला यह फ्लाईओवर शहर के सबसे व्यस्त रूट में से एक पर ट्रैफिक की भीड़ को काफी कम कर देगा। लगभग 850 करोड़ की अनुमानित लागत से बना, चार-लेन का यह एलिवेटेड कॉरिडोर ग्राउंड-लेवल सड़कों पर भारी ट्रैफिक के दबाव को कम करने के लिए डिजाइन किया गया है, जो पूरे दिन भीड़भाड़ वाली रहती हैं। एक बार चालू होने के बाद, यह फ्लाईओवर शहर के पूर्वी और मध्य हिस्सों के बीच तेज कनेक्टिविटी देगा। यह कॉरिडोर शहर के पूर्वी हिस्से, यानी नूनमाटी को मध्य क्षेत्र, दिघलीपुखुरी से जोड़ता है, जो आमबारी और -शेष पृष्ठ छह पर

एलपीजी गैस सिलेंडर की बुकिंग का बदला नियम

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने एलपीजी गैस सिलेंडरों की बुकिंग प्रक्रिया में बड़ा बदलाव कर दिया है। अब एलपीजी गैस सिलेंडर की बुकिंग का समय 21 से बढ़ाकर 25 दिन कर दिया गया है। यह फैसला जमाखोरी और ब्लैक मार्केटिंग को रोकने के लिए किया गया है। इतना ही नहीं, सरकार ने रिफाइनरियों को एलपीजी प्रोडक्शन बढ़ाने का आदेश दिया है। कंपनियों को कॉमर्शियल कनेक्शन के बजाय घरेलू एलपीजी को प्राथमिकता -शेष पृष्ठ छह पर

भारत का पश्चिम एशिया संकट पर पैनी नजर

नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता : जयशंकर

नई दिल्ली (हि.स.)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को संसद में कहा कि भारत सरकार पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष की स्थिति पर करीबी नजर रखे हुए है और क्षेत्र में मौजूद भारतीय नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हर संभव कदम उठाए जा रहे हैं। लोकसभा और राज्यसभा में *पश्चिम एशिया की स्थिति* पर दिए गए अपने वक्तव्य में जयशंकर ने बताया कि 28 फरवरी से शुरू हुए इस संघर्ष में इजराइल और अमेरिका एक तरफ हैं और दूसरी तरफ ईरान है, जबकि कई खाड़ी देशों पर भी हमले हुए हैं। इस संघर्ष में भारी जनहानि और बुनियादी ढांचे को नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि स्थिति की गंभीरता को देखते हुए एक मार्च को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल की सुरक्षा संबंधी समिति की बैठक हुई, जिसमें क्षेत्र में रह रहे भारतीयों की सुरक्षा तथा क्षेत्रीय सुरक्षा, व्यापार और आर्थिक गतिविधियों पर पड़ने वाले प्रभाव की समीक्षा की गई। समिति को इस इलाके में -शेष पृष्ठ छह पर

मोजतबा के समर्थन में सड़कों पर उतरे हजारों लोग, इजरायल ने बरसाई मिसाइलें

नई दिल्ली। इजरायल ने आज ईरान के कई हिस्सों पर ताबड़तोड़ हमले करने शुरू कर दिए। ये हमले तेहरान, इस्फहान और दक्षिणी ईरान पर किए गए। हमले की घोषणा तब की गई, जब ईरान से नए सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई के समर्थन में हजारों लोग तेहरान के सेंट्रल चौक पर जमा हुए थे। इजरायल की डिफेंस फोर्स ने इस संबंध में एक बयान जारी कर कहा कि आईडीएफ ने अभी तेहरान, इस्फहान और दक्षिणी ईरान में आतंकी शासन के इंफ्रास्ट्रक्चर पर बड़े पैमाने पर हमले शुरू किए हैं। दरअसल अयातुल्ला खामेनेई की मौत के बाद उनके बेटे मोजतबा खामेनेई को ईरान का सुप्रीम लीडर चुना गया। इसके बाद तेहरान एंगहेलाब स्क्वायर -शेष पृष्ठ छह पर

तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल के पार हमले बढ़े तो 200 डॉलर से ऊपर जाएंगी

इस्तांबुल (हि.स.)। पश्चिम एशिया में 10 दिनों से जारी युद्ध के कारण ऊर्जा आपूर्ति को लेकर बढ़ती अनिश्चितता के बीच वैश्विक तेल बाजार में बड़ा उछाल देखने को मिल रहा है। साल 2022 के बाद यह पहली बार है जब अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल को पार कर गई हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि खाड़ी क्षेत्र में संघर्ष और बढ़ता है तो कीमतें 200 डॉलर प्रति बैरल से भी अधिक हो जाएंगीं। तुर्किये की सरकारी समाचार एजेंसी अनादोलु एजेंसी ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड तेल 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच गया, जबकि अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी इसी स्तर के पार चला गया। तेल की कीमतों में यह बढ़ोतरी मुख्य रूप से पश्चिम एशिया में अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच 10 दिन से जारी युद्ध के कारण हुई है। क्षेत्र में ऊर्जा सुविधाओं और अमेरिकी हितों को निशाना बनाकर किए गए हमलों ने वैश्विक आपूर्ति को लेकर गंभीर चिंता पैदा कर दी है। विशेषज्ञों का कहना है कि अरब की खाड़ी दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा कॉरिडोर में से एक है। इस क्षेत्र से बड़ी मात्रा में कच्चा तेल वैश्विक बाजार तक पहुंचता है। ऐसे में यदि यहां किसी प्रकार की बाधा आती है तो इसका सीधा असर पूरी दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति और कीमतों पर पड़ता है। बाजार की सबसे बड़ी चिंता होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर है। यह दुनिया का सबसे महत्वपूर्ण तेल ट्रांजिट मार्ग माना जाता है। आम तौर पर इस मार्ग से रोजाना लगभग 15-20 मिलियन बैरल कच्चा तेल गुजरता है, जो वैश्विक तेल आपूर्ति का लगभग 20 प्रतिशत है। यदि यहां किसी प्रकार की सैन्य गतिविधि या नाकाबंदी होती है तो वैश्विक बाजार में तेल की भारी कमी हो -शेष पृष्ठ छह पर

राष्ट्रपति के प्रोटोकॉल का उल्लंघन

बंगाल सरकार ने गृह मंत्रालय को भेजी रिपोर्ट

कोलकाता (हि.स.)। पश्चिम बंगाल सरकार ने केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा मांगी गई स्पष्टीकरण रिपोर्ट का जवाब भेज दिया है। यह स्पष्टीकरण राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के हालिया उत्तर बंगाल दौरे के दौरान कथित प्रोटोकॉल उल्लंघन के आरोपों को लेकर मांगा गया था। राज्य सरकार ने अपनी प्रतिक्रिया में किसी भी तरह की चूक से इनकार करते हुए कहा है कि स्थानीय अधिकारियों ने निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन किया। सूत्रों के अनुसार, गृह मंत्रालय ने रविवार सुबह राज्य की मुख्य सचिव नंदिनी चक्रवर्ती के कार्यालय से इस संबंध में रिपोर्ट मांगी थी और उसी दिन शाम 5 बजे तक जवाब देने की समय सीमा तय की थी। राज्य सचिवालय के एक अधिकारी ने पुष्टि की कि मंत्रालय को विस्तृत रिपोर्ट भेज दी गई है, हालांकि उन्होंने रिपोर्ट की विस्तृत जानकारी सार्वजनिक नहीं की। अधिकारी के अनुसार, मंत्रालय द्वारा उठाए गए प्रोटोकॉल से जुड़े सभी बिंदुओं पर क्रमवार स्पष्टीकरण दिया गया है। इससे पहले रविवार को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी इस -शेष पृष्ठ छह पर

संपादकीय

तेल संकट का सच

राजधानी दिल्ली, उप्र, बिहार, मप्र राज्यों के कई शहरों में पेट्रोल पंपों पर वाहनों की भीड़ दिखाई दे रही है। लोग पेट्रोल-डीजल को लेकर आशंकित हैं, लिहाजा हड़बड़ी में हैं कि जितना भी तेल मिल जाए, उतना तो जमा कर लिया जाए। ग्रामीण और किसान अलग किस्म की दहशत में हैं, क्योंकि तेल का संकट गहराएगा, तो उनकी खेती प्रभावित होगी। हालांकि भारत में पाकिस्तान जैसे 'लॉकडाउन' हालात नहीं हैं। वहां एक लीटर पेट्रोल 336 रुपए और डीजल 321 रुपए में बेचा जा रहा है। आशंका है कि पाकिस्तान में कभी भी 'लॉकडाउन' घोषित किया जा सकता है। कुछ जगहों पर तो गोलियां भी चल चुकी हैं। बांग्लादेश और श्रीलंका में भी तेल-गैस का संकट गंभीर रूप ले चुका है। बहरहाल भारत काफी हद तक आश्वस्त है, लेकिन विरोधाभासी बयान डरा रहे हैं। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी ने कहा है कि भारत में तेल-गैस, ईंधन की कोई कमी नहीं है। घबराने की जरूरत नहीं है। तेल के दाम भी नहीं बढ़ेंगे। भारत के पास कच्चे तेल, पेट्रोलियम उत्पाद, गैस का 25 दिनों का भंडार है। मंत्री जी के बयान के अगले दिन ही तेल कंपनियां घरेलू एलपीजी (रसोई गैस) के दाम 60 रुपए प्रति सिलेंडर बढ़ा देती हैं और कमर्शियल सिलेंडर 114.50 रुपए महंगा कर दिया जाता है। अब औसत घर को रसोई गैस का सिलेंडर 900-1000 रुपए से भी ज्यादा महंगा मिलेगा। यह कौनसा सच है, मंत्री जी? बेशक 'उज्ज्वला' योजना के करीब 10.5 करोड़ लाभार्थियों को बढ़े दामों से अलग रखा गया है। उन्हें तो प्रति सिलेंडर 300 रुपए की सबसिडी भी मिलती है। इस तरह देश में 23 करोड़ उपभोक्ता इस महंगाई के शिकार होंगे। कच्चे तेल, पेट्रोलियम उत्पाद और गैस के भंडारण पर अलग-अलग बयान आ रहे हैं। कतर एलएनजी की 'महाशक्ति' है। वह 40 फीसदी से अधिक एलएनजी भारत को सप्लाई करता रहा है, लेकिन ईरान के लगातार हमलों के बाद कतर ने तेल-गैस का उत्पादन ही बंद कर दिया है। कतर के ऊर्जा मंत्री ने आगाह किया है कि कच्चे तेल की कीमतें 150 डॉलर तक उछल सकती हैं। युद्ध के कारण कच्चे तेल के दाम 95 डॉलर प्रति बैरल तक तो पहुंच चुके हैं। भारत करीब 85 फीसदी एलपीजी मध्य-पूर्व के देशों से ही आयात करता है और वह सप्लाई होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग से ही होती रही है। ईरान के लड़ाकों ने यह मार्ग बंद कर रखा है, जाहिर है कि हमारा 50 फीसदी तेल-गैस बाधित है। एक बयान आया है कि देश में 25 करोड़ बैरल से अधिक कच्चे तेल का भंडार है, गैस भी पर्याप्त है, कुल मिला कर 7-8 सप्ताह का भंडार है, लेकिन विशेषज्ञों के भी बयान आ रहे हैं कि भारत में कुल 10 करोड़ बैरल ही कच्चा तेल है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी लगातार बयानबाजी कर रहे हैं कि तेल और गैस का संकट बढ़ रहा है। कीमतें बढ़ने लगी हैं और सरकार ने देश की संप्रभुता और विदेश नीति अमरीका को बंधक रख दी है। ऐसे बयान देश-विरोधी, भ्रमित और अतिशयोक्तिपूर्ण हैं। अमरीकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने एक बयान दिया था कि ईरान युद्ध के मद्देनजर अमरीका भारत को रूसी तेल खरीदने की, 30 दिन की, 'अस्थायी छूट' देता है। ऐसे बयानों पर विरोधियों और पूर्वाग्रही विशेषज्ञों को तब बिलबिलाना चाहिए, जब भारत सरकार ने ऐसी 'छूट' की मांग की हो अथवा हमने रूस से कच्चा तेल लेना बंद कर दिया हो। फरवरी, 2026 में भारत ने 10 लाख बैरल से अधिक कच्चा तेल रूस से आयात किया है। अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप के 'बड़बोले' बयानों के बावजूद भारत रूस से तेल खरीदता रहा है और अब गैस का आयात भी बढ़ाएगा। जनवरी, 2026 में भारत ने रूस से 1.98 अरब डॉलर मूल्य का कच्चा तेल आयात किया था। रूस आगामी 30 दिनों में करीब 95 लाख बैरल तेल भारत को भेज सकता है। यह प्रक्रिया शुरू भी हो गई है। यह भी वैश्विक संकट का दौर है, जैसा कि कोरोना महामारी के दौरान था। तब भी देश ने सरकार पर भरोसा किया था और अब भी कोई चारा नहीं है। सियासत तो शांतिकाल में भी जारी रह सकती है।

पेट्रोल-डीजल को लेकर आशंकित हैं, लिहाजा हड़बड़ी में हैं कि जितना भी तेल मिल जाए, उतना तो जमा कर लिया जाए। ग्रामीण और किसान अलग किस्म की दहशत में हैं, क्योंकि तेल का संकट गहराएगा, तो उनकी खेती प्रभावित होगी। हालांकि भारत में पाकिस्तान जैसे 'लॉकडाउन' हालात नहीं हैं। वहां एक लीटर पेट्रोल 336 रुपए और डीजल 321 रुपए में बेचा जा रहा है। आशंका है कि पाकिस्तान में कभी भी 'लॉकडाउन' घोषित किया जा सकता है। कुछ जगहों पर तो गोलियां भी चल चुकी हैं। बांग्लादेश और श्रीलंका में भी तेल-गैस का संकट गंभीर रूप ले चुका है। बहरहाल भारत काफी हद तक आश्वस्त है, लेकिन विरोधाभासी बयान डरा रहे हैं। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी ने कहा है कि भारत में तेल-गैस, ईंधन की कोई कमी नहीं है। घबराने की जरूरत नहीं है। तेल के दाम भी नहीं बढ़ेंगे। भारत के पास कच्चे तेल, पेट्रोलियम उत्पाद, गैस का 25 दिनों का भंडार है। मंत्री जी के बयान के अगले दिन ही तेल कंपनियां घरेलू एलपीजी (रसोई गैस) के दाम 60 रुपए प्रति सिलेंडर बढ़ा देती हैं और कमर्शियल सिलेंडर 114.50 रुपए महंगा कर दिया जाता है। अब औसत घर को रसोई गैस का सिलेंडर 900-1000 रुपए से भी ज्यादा महंगा मिलेगा। यह कौनसा सच है, मंत्री जी? बेशक 'उज्ज्वला' योजना के करीब 10.5 करोड़ लाभार्थियों को बढ़े दामों से अलग रखा गया है। उन्हें तो प्रति सिलेंडर 300 रुपए की सबसिडी भी मिलती है।

ईरान और इजरायल-अमेरिका के युद्ध के बीच ईरान के द्वारा वैश्विक शिपिंग रूट होर्मुज स्ट्रीट बंद कर दिया गया

निर्यात चुनौतियों से निपटने की रणनीति बने

हाल ही में 6 मार्च को वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि सरकार पश्चिमी एशिया में चल रहे युद्ध से प्रभावित भारतीय निर्यातकों को राहत देने के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा कि इन दिनों निर्यातक रसद संबंधी चुनौतियों के अलावा निर्यात घरेलू बंदरगाहों पर पश्चिम एशिया जाने वाले कार्गो के अटकने से खड़े होने वाले संकट के प्रति आगाह कर रहे हैं। कुछ शिपिंग कंपनियां उच्च युद्ध-जोखिम शुल्क की मांग कर रहे हैं, जबकि कुछ अन्य अंतरराष्ट्रीय समुद्री क्षेत्रों में फंसे हुए हैं। उन्हें कंटेनरों की कमी, पश्चिम एशिया के लिए पोत कॉल के निलंबन या रद्द होने और तेजी से उच्च रसद लागत बढ़ने का भी सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में सरकार अपने निर्यातकों को राहत देने के कुछ ठोस तरीके अपनाने की डगर पर आगे बढ़ी है। सरकार ने तत्परतापूर्वक 2 मार्च को युद्ध से निर्मित हालात से भारतीय निर्यात पर पड़ने वाले प्रभाव पर निर्यात से संबंधित सरकारी मंत्रालयों, निर्यातकों के संगठन, लॉजिस्टिक संचालकों और शिपिंग कंपनियों के प्रतिनिधियों की विशेष बैठक में विचार मंथन के बाद बहुमंत्रालयी सहायता डेस्क सहित निर्यातकों को हरसंभव सहयोग-प्रोत्साहन दिया जाना सुनिश्चित किया है। उल्लेखनीय है कि ईरान और इजरायल-अमेरिका के युद्ध के बीच ईरान के द्वारा वैश्विक शिपिंग रूट होर्मुज स्ट्रीट बंद कर दिया गया है। दुनिया को मिलने वाला करीब एक तिहाई तेल, करीब 20 फीसदी लिक्विफाइड नेचुरल गैस (एलएनजी) और खाद्य उत्पादों का अधिकांश यातायात इसी मार्ग से होता है। ऐसे में इस जलमार्ग के बंद हो जाने से कच्चे तेल की ग्लोबल सप्लाई चेन प्रभावित होने लगी है। चूंकि कच्चे तेल के लिहाज से भारत का करीब 40 प्रतिशत कच्चा तेल इसी रास्ते से होकर आता है, ऐसे में यह युद्ध भारत के लिए कच्चे तेल संबंधी चिंता के साथ निर्यात चुनौती निर्मित करते हुए दिखाई दे रहा है। चूंकि भारत अपनी कच्चे तेल की जरूरतों के करीब 85 फीसदी तक आयात पर निर्भर है, अतएव कच्चे तेल के दाम में बढ़ोतरी भारत के आयात बिल की चिंता बढ़ाते हुए दिखाई दे रही है। स्थिति यह है कि 7 मार्च को कच्चे तेल की कीमत करीब 91 डॉलर प्रति बैरल के मूल्य स्तर पर पहुंच गई है। युद्ध के लंबा खींचने पर कच्चे तेल की कीमत 150 डॉलर प्रति बैरल के पार जा सकती है और इससे पेट्रोल, डीजल और अन्य पेट्रोलियम उत्पाद महंगे होने लगेंगे और इससे भारत से निर्यात घटने और व्यापार घाटा बढ़ने की चुनौती गहराते हुए दिखाई देगी। चूंकि इस युद्ध से सीधे तौर पर जुड़े हुए अमेरिका, इजरायल और ईरान सहित युद्ध से प्रभावित पश्चिम एशियाई और यूरोपीय देश भी भारत के लिए निर्यात के प्रमुख बाजार हैं, ऐसे में भारत के निर्यातकों की चिंताएं बढ़ गई हैं। पश्चिम एशिया जाने वाला माल भारत के घरेलू बंदरगाहों पर जमा होने लगा है। शिपिंग कंपनियां चालक दल, कार्गो और जहाजों की

पीयूष गोयल ने कहा कि सरकार पश्चिमी एशिया में चल रहे युद्ध से प्रभावित भारतीय निर्यातकों को राहत देने के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा कि इन दिनों निर्यातक रसद संबंधी चुनौतियों के अलावा निर्यात घरेलू बंदरगाहों पर पश्चिम एशिया जाने वाले कार्गो के अटकने से खड़े होने वाले संकट के प्रति आगाह कर रहे हैं। कुछ शिपिंग कंपनियां उच्च युद्ध-जोखिम शुल्क की मांग कर रही हैं, जबकि कुछ अन्य अंतरराष्ट्रीय समुद्री क्षेत्रों में फंसे हुए हैं। उन्हें कंटेनरों की कमी, पश्चिम एशिया के लिए पोत कॉल के निलंबन या रद्द होने और तेजी से उच्च रसद लागत बढ़ने का भी सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में सरकार अपने निर्यातकों को राहत देने के कुछ ठोस तरीके अपनाने की डगर पर आगे बढ़ी है।

सुरक्षा को देखते नए निर्यात आदेश नहीं ले रही हैं। ऐसे में खासतौर से पश्चिम एशिया के देशों में निर्यात घटने की आशंका है। भारत ने इस वित्तीय वर्ष 2025-26 में अप्रैल से दिसंबर की अवधि में पश्चिम एशिया के 13 देशों को करीब 50 अरब डालर मूल्य की वस्तुओं का निर्यात किया, जो भारत के कुल निर्यात का करीब 15 फीसदी है। इन विभिन्न देशों में भारत से होने वाले खाद्य उत्पाद, टेक्सटाइल, इंजीनियरिंग सामान, बासमती चावल, चाय, मशीनरी, फार्मास्युटिकल्स, रत्न-आभूषण, प्लास्टिक और रबर जैसे क्षेत्रों में निर्यात प्रभावित होते हुए दिखाई दे रहे हैं। ऐसे में भारत को द्विपक्षीय और मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) का पूरा लाभ लेते हुए निर्यात को हरसंभव तरीके से बढ़ाने की रणनीति के साथ आगे बढ़ना होगा। यह कोई छोटी बात नहीं है कि पश्चिम एशिया में गहराते युद्ध के दौर में भी 2 मार्च को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कनाडाई प्रधानमंत्री कार्नी के साथ द्विपक्षीय व्यापार वार्ता की। इस वार्ता के पश्चात भारत-कनाडा के बीच यूरेनियम-परमाणु सहयोग, क्रिटिकल मिनरल्स और नवीन नवीनीकरणीय ऊर्जा समझौतों पर मुहर लगाई गई। साथ ही भारत और कनाडा ने मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए टर्म्स ऑफ रेफरेंस दस्तावेज को अंतिम रूप दे दिया है। इसके तहत दोनों देश 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 50 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंचाने के लिए सहमत हुए हैं। इस समझौते पर इस वर्ष 2026 के अंत तक हस्ताक्षर होने की उम्मीद है। पिछले माह 25 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इजरायली संसद 'नेसेट' को संबोधित करते हुए कहा कि इजरायल के साथ भारत का एफटीए जल्दी ही आकार लेते हुए दिखाई देगा। निःसंदेह भारत से निर्यात बढ़ाने के लिए भारत के व्यापार समझौते महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। भारत के द्वारा हाल ही के महीनों में जिन देशों के साथ एफटीए किए गए हैं, उन्हें शीघ्रतापूर्वक क्रियान्वयन की डगर पर आगे बढ़ाना होगा। इनमें 27 जनवरी को भारत-यूरोपीय संघ (ईयू) के शिखर सम्मेलन के दौरान ऐलान किया गया एफटीए सबसे महत्वपूर्ण है। यह एफटीए दुनिया की दो बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच तालमेल का शानदार उदाहरण है और भारत के लिए अत्यधिक लाभप्रद है। इसी तरह पिछले वर्ष 2025 में भारत के द्वारा ब्रिटेन, ओमान और न्यूजीलैंड के साथ किए गए एफटीए का इस वर्ष 2026 में कार्यान्वयन अहम होगा। इन सबके साथ-साथ मॉरीशस, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), ऑस्ट्रेलिया और चार यूरोपीय देशों आइसलैंड, स्विट्जरलैंड, नॉर्वे और लिकटेंस्टाइन के समूह यूरोपियन फ्री ट्रेड एसोसिएशन (एफ्टा) के साथ कार्यान्वित हो रहे एफटीए के और अधिक लाभ मिलते हुए दिखाई देंगे। साथ ही इस वर्ष 2026 में पेरू, चिली, आसियान, मैक्सिको, कनाडा, दक्षिण अफ्रीका, इजराइल, भारत गल्फ कंट्रीज काउंसिल सहित अन्य प्रमुख देशों के साथ भी नए एफटीए को इसी वर्ष 2026 में आकार दिए जाने की पहल की जानी होगी। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि विस्तारित होते हुए ईरान और इजराइल-अमेरिका युद्ध के बीच भारत से निर्यात बढ़ाना कोई सरल काम नहीं है। ऐसे में भारत के द्वारा निर्यात बढ़ाने के लिए चिन्हित किए गए करीब 200 देशों में निर्यात की नई रणनीति के साथ आगे बढ़ना होगा। भारत से निर्यात बढ़ाने के मद्देनजर निर्यातकों की दिक्कतों को कम करना होगा। ये दिक्कतें केवल शुल्क वृद्धि तक सीमित नहीं हैं, वरन निर्यात पर लगाए गए एंटी-डंपिंग शुल्क से भी संबंधित हैं। घरेलू कच्चे माल की ऊंची लागत और ईंधन की उच्च कीमतों के कारण भी भारत के द्वारा निर्यात किए जाने वाले उत्पाद वैश्विक स्तर से करीब 15-20 फीसदी की अधिक लागत पर दिखाई देते हैं। अब घरेलू ढांचागत सुधारों के प्रति नए सिरे से प्रतिबद्धता आवश्यक होगी। इस हेतु देश में नियमों और नियामक संस्थाओं के कामकाज में मूलभूत बदलाव की जरूरत है। कर सुधारों को और गहराई देने के साथ जीएसटी प्रणाली को प्रभावी बनाना जरूरी है। यह भी महत्वपूर्ण है कि एक फरवरी को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के द्वारा प्रस्तुत केंद्रीय बजट 2026-27 में विनिर्माण, वस्त्र, चमड़ा और समुद्री भोजन जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करते हुए निर्यात बढ़ाने के लिए जो कई रणनीतिक उपाय किए गए हैं, उन पर नए वित्तीय वर्ष में शुरुआत से ध्यान देना होगा। उम्मीद करें कि सरकार ईरान और इजराइल-अमेरिका के विस्तारित होते हुए युद्ध की वजह से भारत के समक्ष दिखाई दे रही निर्यात चुनौतियों से निपटने और निर्यात बढ़ाने के मद्देनजर विभिन्न देशों के साथ भारत के व्यापार समझौतों के अधिकतम लाभ हेतु गुणवत्तापूर्ण उत्पादन और नए सुधारों की राह पर आगे बढ़ेगी।

देश | दुनीया से

किशोर मन और डिजिटल परिवेश का संकट

समकालीन युग में तकनीक केवल सुविधा का उपकरण नहीं रही। वह हमारे सामाजिक और मानसिक जीवन की संरचना का हिस्सा बन चुकी है। विशेषतः मोबाइल फोन ने किशोर जीवन में जिस गहराई से प्रवेश किया है, उसने बचपन की पारंपरिक लय को बदल दिया है। आज का किशोर केवल घर और विद्यालय तक सीमित नहीं है, वह निरंतर एक आभासी संसार में उपस्थित है। यह उपस्थिति केवल समय की खपत नहीं, बल्कि मानसिक और भावनात्मक ऊर्जा का भी पुनर्गठन है। प्रश्न यह है कि क्या 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों को इस निरंतर डिजिटल परिवेश में पूर्ण स्वतंत्रता देना उनके विकास के अनुकूल है? सांस्कृतिक और साहित्यिक अध्ययन में 'माध्यम-पर्यावरण सिद्धांत' यह बताता है कि कोई भी नया माध्यम केवल सूचना का आदान-प्रदान नहीं बदलता, बल्कि वह एक नया वातावरण निर्मित करता है जिसमें मनुष्य की सोच और व्यवहार ढलने लगते हैं। मोबाइल फोन ने किशोर जीवन के चारों ओर ऐसा ही एक वातावरण निर्मित किया है, जहां निरंतर तुलना, प्रतिक्रिया और प्रदर्शन सामान्य हो गए हैं। यहां स्वीकृति संख्या में मापी जाती है और अस्वीकृति सार्वजनिक अपमान बन सकती है। इस परिवेश में किशोर का आत्मबोध बाहरी प्रतिक्रिया पर निर्भर होने लगता है। भारत में किशोर आत्महत्या के आंकड़े चिंताजनक संकेत देते हैं। राष्ट्रीय अपराध अभिलेख ब्यूरो की रिपोर्टों के अनुसार विद्यार्थियों और युवाओं में आत्महत्या के मामलों में वृद्धि दर्ज की गई है। यह सत्य है कि आत्महत्या बहु-कारक घटना है- पारिवारिक तनाव, परीक्षा का दबाव, मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियां और सामाजिक अपेक्षाएं, सभी इसमें भूमिका निभाती हैं। परंतु हाल के वर्षों में कई घटनाओं की पृष्ठभूमि में मोबाइल फोन, सामाजिक माध्यमों पर अपमान, ऑनलाइन खेल की लत और डिजिटल टकराव जैसे तत्व भी उभरकर सामने आए हैं। हाल के समय में उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में तीन नाबालिग बहनों (12, 14 और 16 वर्ष) की आत्महत्या की घटना ने देश को गहराई से विचलित किया। प्रारम्भिक समाचारों में संकेत मिला कि मोबाइल खेल के अत्यधिक उपयोग और उस पर पारिवारिक रोक से उत्पन्न तनाव इस दुखद घटना की पृष्ठभूमि में था। इस प्रकरण को कई राष्ट्रीय समाचार माध्यमों ने प्रमुखता से प्रकाशित किया। इसके पश्चात राज्यसभा में भी सामाजिक माध्यमों और मोबाइल खेलों के किशोर मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव को लेकर चिंता व्यक्त की गई। यद्यपि किसी भी घटना का पूर्ण सत्य अनेक आयामों में निहित होता है, फिर भी यह स्पष्ट है कि डिजिटल परिवेश अब केवल निजी विषय नहीं रहा। किशोरावस्था आत्म-निर्माण की अवस्था है। इस समय पहचान, आत्मसम्मान और सामाजिक संबंधों की समझ विकसित होती है। जब यह विकास निरंतर आभासी तुलना और सार्वजनिक प्रतिक्रिया के बीच होता है, तो अस्थिरता बढ़ सकती है। पहले सामाजिक अपमान सीमित दायरे में रहता था। अब

मोबाइल फोन ने किशोर जीवन में जिस गहराई से प्रवेश किया है, उसने बचपन की पारंपरिक लय को बदल दिया है। आज का किशोर केवल घर और विद्यालय तक सीमित नहीं है, वह निरंतर एक आभासी संसार में उपस्थित है। यह उपस्थिति केवल समय की खपत नहीं, बल्कि मानसिक और भावनात्मक ऊर्जा का भी पुनर्गठन है। प्रश्न यह है कि क्या 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों को इस निरंतर डिजिटल परिवेश में पूर्ण स्वतंत्रता देना उनके विकास के अनुकूल है? सांस्कृतिक और साहित्यिक अध्ययन में 'माध्यम-पर्यावरण सिद्धांत' यह बताता है कि कोई भी नया माध्यम केवल सूचना का आदान-प्रदान नहीं बदलता, बल्कि वह एक नया वातावरण निर्मित करता है जिसमें मनुष्य की सोच और व्यवहार ढलने लगते हैं।

वह डिजिटल मंचों पर स्थायी स्मृति बन जाता है। एक टिप्पणी, एक उपहास, एक असफलता- सब कुछ सैकड़ों लोगों तक पहुंच सकता है। ऐसी स्थिति में मानसिक संतुलन बनाए रखना कठिन हो जाता है। मनोवैज्ञानिक अध्ययनों ने संकेत दिया है कि अत्यधिक स्क्रीन समय, विशेषकर सामाजिक माध्यमों पर निर्भरता, अवसाद और चिंता के लक्षणों से जुड़ सकती है। नींद में कमी, ध्यान की कमी और वास्तविक सामाजिक संवाद में गिरावट भी देखी गई है। किशोर मस्तिष्क अभी विकासशील होता है। उसमें भावनात्मक नियंत्रण और निर्णय क्षमता क्रमशः विकसित होती है। ऐसे में निरंतर डिजिटल उत्तेजना और तुलना मानसिक दबाव को बढ़ा सकती है। विश्व स्तर पर भी इस विषय पर गंभीरता से विचार हुआ है। फ्रांस, चीन, इटली, ग्रीस, नीदरलैंड और डेनमार्क जैसे देशों ने विद्यालयों में किशोरों के लिए मोबाइल फोन पर सख्त प्रतिबंध लागू किए हैं। इन नीतियों का उद्देश्य तकनीक का विरोध नहीं, बल्कि शैक्षिक वातावरण को सुरक्षित और एकाग्र बनाए रखना है। जब कक्षा में मोबाइल अनुपस्थित होता है, तो छात्रों की सहभागिता बढ़ती है और ध्यान भटकाव कम होता है। भारत में भी अनेक विद्यालयों ने अपने स्तर पर मोबाइल प्रतिबंध लागू किए हैं, परंतु राष्ट्रीय स्तर पर एक समन्वित नीति की आवश्यकता अनुभव की जा रही है। यदि 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए विद्यालय-समय में पूर्ण प्रतिबंध लागू किया जाए और घर पर नियंत्रित उपयोग की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, तो यह मानसिक स्वास्थ्य संरक्षण की दिशा में सार्थक कदम हो सकता है। यह प्रतिबंध स्थायी वंचना नहीं, बल्कि आयु-अनुकूल संरक्षण होगा। यह भी आवश्यक है कि समाधान केवल प्रतिबंध तक सीमित न रहे। डिजिटल साक्षरता, अभिभावकीय संवाद और विद्यालयी परामर्श सेवाओं को भी सुदृढ़ किया जाए। बच्चों को यह सिखाया जाए कि आभासी दुनिया वास्तविक जीवन का विकल्प नहीं है। आत्मसम्मान संख्या से नहीं, अनुभव से बनता है। मित्रता प्रदर्शन से नहीं, विश्वास से बनती है। साहित्यिक दृष्टि से यह संकट आधुनिकता का दुष्परिणाम नहीं, बल्कि असंतुलित आधुनिकता का परिणाम है। जब माध्यम जीवन से बड़ा हो जाए, तो जीवन की सहजता संकट में पड़ जाती है। बचपन निरंतर प्रदर्शन में बदल जाए, तो आत्मचिंतन और आत्मविश्वास की प्रक्रिया बाधित हो सकती है। इसलिए प्रश्न केवल तकनीकी नियंत्रण का नहीं, बल्कि सांस्कृतिक संतुलन का है। समाज को यह निर्णय लेना होगा कि वह अगली पीढ़ी को किस प्रकार का बचपन देना चाहता है- निरंतर स्क्रीन के प्रकाश में घिरा हुआ, या अनुभव, संवाद और वास्तविक संबंधों से समृद्ध। यदि हम माध्यम-पर्यावरण के प्रभाव को गंभीरता से समझें, तो स्पष्ट होगा कि 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए मोबाइल फोन पर कठोर नियंत्रित उपयोग केवल अनुशासन नहीं, बल्कि नैतिक जिम्मेदारी है। यह कदम स्वतंत्रता का हनन नहीं, बल्कि स्वतंत्रता की रक्षा है- उस स्वतंत्रता की जिसमें किशोर बिना निरंतर तुलना और डिजिटल दबाव के स्वयं को पहचान सकें।

कुछ | अलग

बुनियादी शिक्षा

हिमाचल प्रदेश भारत का चौथा पूर्ण साक्षर राज्य बना है। 99.30 फीसदी साक्षरता दर के साथ देश में शीर्ष पर पहुंच गया है। वर्तमान राष्ट्रीय शिक्षा नीति में पहले पांच वर्ष की बुनियादी शिक्षा का विशेष उल्लेख है। निःसंदेह यह सिद्धांत गांधी जी के बुनियादी शिक्षा के सिद्धांत को धरातली बनाता है। न्यूरो विज्ञान के अनुसार जब बच्चा छह वर्ष का होता है तो उसके मस्तिष्क के विकास का 85 फीसदी विकास पहले ही हो चुका होता है। शोध बताते हैं कि स्वास्थ्य, पोषण, देखभाल, सामाजिक-पर्यावरणीय वातावरण की उत्कृष्टता इन प्रारंभिक वर्षों में बच्चे के विकास को प्रभावित करती है। अतः प्रारंभिक बाल्यवस्था देखभाल और शिक्षा को नकारा नहीं जा सकता। नई शिक्षा नीति का लक्ष्य है कि वर्ष 2030 से पूर्व सार्वभौमिक बाल्यवस्था देखभाल और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को प्राप्त किया जाएगा। लक्ष्य प्राप्ति के लिए महत्वपूर्ण है कि बच्चों की प्रथम चरण की शिक्षा पर सर्वाधिक बल दिया जाए। राज्य के स्कूलों में प्री-प्राइमरी कक्षाओं में 25000 से अधिक बच्चे अध्ययनरत हैं। इन स्कूलों में 6297 प्री-प्राइमरी टीचर्स रखना प्रस्तावित है। प्रदेश के सरकारी स्कूलों में प्री-प्राइमरी टीचर्स भर्ती करने का निर्णय 23 सितंबर 2022 को कैबिनेट की बैठक में लिया गया था, पर इसे अमलीजामा न पहनाया जा सका। वर्तमान सरकार ने 18 जून 2024 को कैबिनेट की बैठक में 6297 पद भरने का फैसला लिया। अब प्रश्न उठता है इन अध्यापकों की चयन प्रक्रिया और आवश्यक योग्यता का। सरकार ने इन अध्यापकों के चयन के लिए हिमाचल प्रदेश स्टेट इलेक्ट्रॉनिक्स डेवलपमेंट कारपोरेशन को अधिकृत किया है।

दृष्टि | कोण

मानवता चुका रही है भीषण युद्ध की कीमत

अमेरिका इस्राइल और ईरान के बीच जो भीषण युद्ध छिड़ गया है, उसके बीच संवाद की कोई गुंजाइश नजर नहीं आती। बल्कि हर रोज युद्ध का विस्तार बढ़ता जा रहा है। एक ओर ईरान है और उसकी जुनूनी सैनिक ताकत, जो अपने शिया सुप्रीमो खामेनेई की मौत का बदला खून की आखिरी बूंद तक लेना चाहती है। दूसरी ओर है अमेरिका की महाशक्ति और मध्यपूर्व का चेहरा इस्राइल, जो कहने को तो ईरान के परमाणु शक्ति बनने पर अंकुश लगाने के लिए युद्ध में कूदा है। लेकिन उसके निरंकुश मंसूबे किसी से छिपे नहीं हैं। दुनिया में शांति के नाम पर तबाही का पहाड़ा पढ़ा जाने लगा। जहां-जहां भी यह पहाड़ा शुरू हुआ, चाहे यह यूक्रेन और रूस के बीच हो या अब नये युद्ध केन्द्र पाकिस्तान और अफगानिस्तान या संभावित युद्ध केन्द्र चीन और ताइवान, यह पहाड़ा तबाही का सबब बन रहा है। बहरहाल, ईरान और अमेरिका-इस्राइल संघर्ष दुनिया के युद्धरत और दूसरे देश भी संभावित तबाही के भय से कांप रहे हैं। जिस तरह से यह युद्ध आतंकवाद को नियंत्रित करने के नाम पर लेबनान और ब्रिटिश बेसों वाले साइप्रस तक फैल गया है, उससे सबकी चिंता और भी बढ़ गई है। सोचा गया था कि इतनी शक्तियां मिलकर इस युद्ध को कुछ दिन में निपटा देंगी। जिस तेजी से परेशानियां बढ़ रही हैं, उस तेजी से युद्ध निपटने के अवसर भी हैं। लेकिन जहां बड़ी ताकतें अपनी ताकत से मदमत्त हों, वहां हर दिन शांति की गुंजाइश कम होती है और युद्ध की भीषणता की आशंका बढ़ती है। लेकिन इस संभावना में एक और खतरनाक बात भी सामने आ रही है। संयुक्त राष्ट्र की परमाणु एजेंसी आईआईए के न्यूक्लियर वॉच डॉग ने एक और चेतावनी जारी की है कि परमाणु शक्तियों सावधान हो जाओ! जिस तरह से भीषण जंग हो रही है, परमाणु बम चलाए बिना परमाणु तबाही हो सकती है। यह सही है कि अभी तक ऐसी तबाही नहीं हुई है लेकिन परमाणु एजेंसी के मुखिया राफेल ग्रामसी कहते हैं कि चाहे बम नहीं चलाओगे, लेकिन एक-दूसरे को पस्त करने के लिए वैश्विक शक्तियां अगर एक-दूसरे के

परमाणु केन्द्रों पर हमले करेंगी तो परमाणु रिसाव शुरू हो सकता है। अगर रेडियो-एक्टिव रिसाव शुरू हो गया तो तबाही के भय से घबराकर बड़े शहरों को खाली करने की गंभीर स्थिति पैदा हो सकती है। इसलिए राफेल ग्रामसी ने कहा कि जल्द से जल्द इस युद्ध को संवाद की सहायता से रोकिए। वैसे अभी तक रेडिएशन का स्तर सामान्य है, लेकिन यह सामान्य रहेगा, इसकी क्या गारंटी है? वैसे तबाही तो कई और आयामों से भी झांक रही है। इस लड़ाई में तेल आपूर्ति का सामान्य समुद्री मार्ग, जिसमें से तेल टैंकरों की बीस प्रतिशत आवाजाही है, वह ध्वस्त हो गया है। सऊदी अरब स्थित दुनिया की सबसे बड़ी तेल रिफाइनरी ड्रोन हमले की शिकार हो गई है। उसे अस्थाई रूप से बंद कर दिया गया है। कतर एनर्जी ने एलएनजी का उत्पादन बंद करने की घोषणा कर दी। पहले झटके में यूरोप में तेल और गैस की कीमतें उछल गई हैं। तीसरी दुनिया के देश और भारत कब तक बचेंगे? पूरा विश्व परेशान हो रहा है। अमेरिका को उम्मीद थी कि अगर ईरान में से खामेनेई और उनके साथी साफ कर दिए जाते हैं तो बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और महंगाई से संत्रस्त जेन-जी युवा विरोध में सड़कों पर उठ खड़े होंगे। लेकिन ऐसा नहीं हुआ बल्कि वहां सत्ता पर खामेनेई समर्थकों का ही वर्चस्व है और वे करो या मरो के अंदाज में लड़ाई लड़ रहे हैं। दूसरी ओर ट्रम्प अभी परेशान है कि ब्रिटेन और फ्रांस मौन समर्थन दे रहे हैं, युद्ध में कूदे क्यों नहीं? दूसरी ओर रूस और चीन का भी मूक समर्थन ईरान के साथ है। चीन ने अभी फिर अमेरिका द्वारा ईरान पर हमला करने पर नाराजगी जताई है। इस समय संघर्ष में बड़े हमले हो रहे हैं।

आप का | नजरीया

नीतीश अचानक राज्यसभा!

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अचानक राज्यसभा में जाने का निर्णय क्यों किया है? वह 105 दिन पहले ही 10वीं बार मुख्यमंत्री बने थे। वह 19 साल 4 माह इस पद पर रहे और अब भी 15 अप्रैल तक मुख्यमंत्री बने रह सकते हैं। नया जनादेश भाजपा-जद (यू) और एनडीए को मिला था। विपक्षी राजद को करारी पराजय देकर सत्ता बरकरार रखी गई थी। मुख्यमंत्री की जिस कुर्सी के लिए नीतीश ने 'पलटूराम' जैसे विशेषण को भी झेल लिया था, उस कुर्सी को अचानक छोड़ने की इच्छा क्यों जताई है? इन सवालों के जवाब तो नीतीश या भाजपा नेतृत्व ही दे सकते हैं, लेकिन यह विस्फोटक राजनीतिक खबर है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इसे 'राजनीतिक अपहरण' करार दिया है। अब बिहार का नया मुख्यमंत्री कौन होगा? यह एक सामान्य सवाल है। निश्चित है कि भाजपा का बीते 20 सालों से संचित सपना साकार होने जा रहा है। नीतीश के बेहद करीबी नेता एवं पूर्व सांसद केसी त्यागी तक ने पुष्टि की है कि मुख्यमंत्री भाजपा का ही होगा। बहरहाल बिहार में चुनाव के दौरान भी नीतीश उम्रदराज और अस्वस्थ थे। विपक्ष के आरोपों को छोड़िए, लेकिन ऐसे कई क्षण सार्वजनिक हुए हैं, जब लगा कि नीतीश मानसिक रूप से स्वस्थ नहीं हैं। यदि जनादेश मिलने और मुख्यमंत्री बनने के 105 दिनों के बाद ही पद छोड़ कर राज्यसभा में जाने की इच्छा व्यक्त करनी थी, तो नीतीश कुमार मुख्यमंत्री की शपथ ही न लेते। सत्ता के नए पांच साल नीतीश को मिले थे। बढ़ती उम्र और गिरते स्वास्थ्य के बावजूद वह आराम से सरकार चला सकते थे। जनता से जिन वायदों के आधार पर जनादेश हासिल किया था, उन्हें पूरा करने के प्रयास कर सकते थे। यदि अब राज्यसभा में जाकर उन्हें केंद्रीय मंत्री बनाया जाता है, तो उनके पास मंत्रालय, सरकार का नीतिगत एजेंडा, मंत्रालय के रोजमर्रा के दायित्व भी होंगे। यदि नीतीश मुख्यमंत्री बने रहने में असहज, असमर्थ थे, तो वही स्थितियां केंद्रीय मंत्री बनने पर भी होंगी। फिर उन्होंने यह फैसला क्यों किया? अथवा भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने उन्हें बाध्य किया है? सवाल यह भी है कि अब केंद्रीय मंत्री बनकर नीतीश क्या साबित करेंगे? वह केंद्र सरकार में कृषि, रेल, सड़क परिवहन मंत्री रह चुके हैं। नीतीश 6 बार सांसद चुने गए और 6 साल तक केंद्रीय मंत्री रहे। प्रधानमंत्री मोदी उन्हें गृह, वित्त, विदेश, रक्षा जैसे अहम मंत्रालय तो दे नहीं सकते, क्योंकि वहां उनके विश्वास-पात्र मंत्री विराजमान हैं। क्या प्रधानमंत्री नीतीश के लिए उपप्रधानमंत्री के पद का सृजन कर सकते हैं? हमें तो इसके आसार भी नगण्य लगते हैं। फिर नीतीश ने जनादेश को धोखा क्यों दिया है? मझधार में क्यों छोड़ा है? जद-यू के उन राजनीतिक कार्यकर्ताओं को रोने-बिलखने और सड़क पर प्रदर्शन करने को क्यों छोड़ दिया है, जो अपने शीर्षस्थ नेता के बिना नहीं रह सकते, जो छला-ठगा महसूस कर रहे हैं? अभी तक माना जाता रहा है कि नीतीश पर कोई दबाव नहीं डाल सकता और न ही कोई उन्हें बाध्य कर सकता है, लेकिन यह निर्णय उनका अपना नहीं लगता, बेशक उन्होंने सोशल मीडिया पर कुछ भी पोस्ट लिखी है। उन्हें प्रधानमंत्री मोदी या गृहमंत्री अमित शाह के स्तर पर ही बाध्य किया गया लगता है कि अब आप दिल्ली चले आइए और राष्ट्रीय राजनीति में योगदान दीजिए। मुख्यमंत्री पद भाजपा को मिलना चाहिए। हमारा सवाल यह भी है कि यदि नीतीश केंद्र में सक्षम और सक्रिय रहेंगे, तो मुख्यमंत्री के तौर पर क्या दिक्कत थी? कुछ भी व्याख्या कर लें, लेकिन बिहार का मौजूदा जनादेश नीतीश के चेहरे और विजन पर ही दिया गया था। भाजपा ने 89 और जद-यू ने 85 सीटें जीतीं। नीतीश ने जिस तरह बेदाग, निर्विवाद, समावेशी, समाजवादी न्याय, अति पिछड़ों और महिलाओं की राजनीति 45 लंबे सालों तक की है, वह अद्वितीय रही है। उनके करीब 20 साल के मुख्यमंत्री काल में बिहार बदला है, लेकिन आज भी वह सबसे गरीब राज्य है और उस पर 3.61 लाख करोड़ रुपए का कर्ज है, लिहाजा भाजपा मुख्यमंत्री के सामने गंभीर चुनौतियां होंगी। चुनाव में जो वादे किए गए थे, उन्हें भी निभाना होगा। लगता है भाजपा अब कुछ बदलाव करना चाहेगी, ताकि जनता का विश्वास कायम रखा जा सके। वैसे बिहार को केंद्र से काफी मदद पहले भी मिली है और अब भी मिलने की संभावनाएं हैं। बहरहाल, बिहार में कुछ बदलाव देखने को मिलेगा।

मुख्यमंत्री की जिस कुर्सी के लिए नीतीश ने 'पलटूराम' जैसे विशेषण को भी झेल लिया था, उस कुर्सी को अचानक छोड़ने की इच्छा क्यों जताई है? इन सवालों के जवाब तो नीतीश या भाजपा नेतृत्व ही दे सकते हैं, लेकिन यह विस्फोटक राजनीतिक खबर है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इसे 'राजनीतिक अपहरण' करार दिया है। अब बिहार का नया मुख्यमंत्री कौन होगा? यह एक सामान्य सवाल है। निश्चित है कि भाजपा का बीते 20 सालों से संचित सपना साकार होने जा रहा है। नीतीश के बेहद करीबी नेता एवं पूर्व सांसद केसी त्यागी तक ने पुष्टि की है कि मुख्यमंत्री भाजपा का ही होगा। बहरहाल बिहार में चुनाव के दौरान भी नीतीश उम्रदराज और अस्वस्थ थे। विपक्ष के आरोपों को छोड़िए, लेकिन ऐसे कई क्षण सार्वजनिक हुए हैं, जब लगा कि नीतीश मानसिक रूप से स्वस्थ नहीं हैं। यदि जनादेश मिलने और मुख्यमंत्री बनने के 105 दिनों के बाद ही पद छोड़ कर राज्यसभा में जाने की इच्छा व्यक्त करनी थी, तो नीतीश कुमार मुख्यमंत्री की शपथ ही न लेते। सत्ता के नए पांच साल नीतीश को मिले थे। बढ़ती उम्र और गिरते स्वास्थ्य के बावजूद वह आराम से सरकार चला सकते थे।

मौलाना सलीम के खिलाफ फूटा आक्रोश हिंदू युवा वाहिनी ने प्रदर्शन कर फूंका पुतला

जौनपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने वाले बिहार के मौलाना अब्दुल्ला सलीम के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर सोमवार को हिंदू युवा वाहिनी की जौनपुर इकाई ने कड़ा विरोध जताया। कार्यकर्ताओं ने आरोपी मो. अब्दुल्ला सलीम के खिलाफ मुर्दाबाद के नारे लगाते हुए उसका पुतला फूंका और जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर सख्त कार्रवाई की मांग की। प्रदर्शन के दौरान संगठन के कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि बिहार निवासी मौलाना अब्दुल्ला सलीम ने एक भाषण में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ अमर्यादित टिप्पणी की है। यह सोशल मीडिया में भी वायरल है। इसे लेकर संगठन में आक्रोश व्याप्त है। हिंदू युवा वाहिनी के जिलाध्यक्ष डॉ. अनिल दुबे ने कहा कि इस तरह की टिप्पणी न केवल मुख्यमंत्री की गरिमा को ठेस पहुंचाती है, बल्कि समाज में वैमनस्य फैलाने का भी प्रयास है। उन्होंने कहा कि ऐसी बयानबाजी से प्रदेश ही नहीं बल्कि पूरे देश का सामाजिक सौहार्द प्रभावित हो सकता है। संगठन के पदाधिकारियों ने जिला प्रशासन को दिए ज्ञापन में आरोपी मौलाना अब्दुल्ला सलीम के खिलाफ तत्काल मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार करने की मांग की। साथ ही उन्होंने कहा कि समाज में शांति और समरसता बनाए रखने के लिए ऐसे मामलों में कठोर और विधिसम्मत कार्रवाई बेहद जरूरी है, ताकि भविष्य में कोई भी इस तरह की हरकत करने का साहस न कर सके। इस दौरान संगठन के कार्यकर्ताओं ने प्रशासन से जल्द से जल्द कार्रवाई करने की मांग की। कार्यक्रम में डॉ. अनिल दुबे, कृष्ण कुमार सहित संगठन के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अमृतसर में नौ किलो हेरोइन के साथ एक तस्कर गिरफ्तार

चंडीगढ़ (हिंस)। सीमा पार से संचालित हो रही नशा तस्करी के खिलाफ अभियान में काउंटर इंटेलिजेंस अमृतसर ने 9 किलो हेरोइन के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। पंजाब के पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने सोमवार को बताया कि अमृतसर के गांव गिल्लांवाली निवासी रंजीत सिंह उर्फ राणा को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने उसकी हीरो डीलक्स मोटरसाइकिल (पीबी-14 डीओ-554) को भी जब्त कर लिया है। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि पकड़ा गया रंजीत सिंह पाकिस्तानी तस्कर के संपर्क में था और अपने अन्य साथियों की मदद से अमृतसर के गांव घोनेवाला क्षेत्र से सीमा पार से ड्रोन के जरिए भेजी गई हेरोइन की खेप प्राप्त कर रहा था। डीजीपी ने बताया कि पुलिस को विश्वसनीय सूचना मिली थी कि संदिग्ध रंजीत ने हेरोइन की एक खेप प्राप्त की है और वह इस खेप को अमृतसर-रामदास रोड के पास अड्डा गांव अनियतपुरा के नजदीक किसी व्यक्ति को सौंपने जा रहा है।

राष्ट्रपति मुर्मू के अपमान का आदिवासी समाज देगा जवाब : गोपीचंद मीणा

जयपुर (हिंस)। अनुसूचित जनजाति मोर्चा राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष गोपीचंद मीणा ने पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के साथ हुए कथित अपमानजनक व्यवहार पर कड़ा विरोध जताया। उन्होंने कहा कि यह देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद की गरिमा और पूरे आदिवासी समाज की अस्मिता का अपमान है। मीणा ने बताया कि 7 मार्च 2026 को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू दार्जिलिंग जिले में आयोजित नौवें अंतर्राष्ट्रीय संथाल सम्मेलन में शामिल होने गई थीं। इस दौरान राज्य सरकार और प्रशासन की ओर से राष्ट्रपति से जुड़े *ब्लू बुक प्रोटोकॉल* का समुचित पालन नहीं किया गया। पहले कार्यक्रम स्थल विधाननगर तय था, लेकिन बाद में इसे गोसाईपुर (सिलीगुड़ी) स्थानांतरित कर दिया गया, जबकि ऐसे बदलाव के लिए राष्ट्रपति की पूर्व स्वीकृति आवश्यक होती है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति के आगमन और प्रस्थान के समय मुख्यमंत्री, मंत्री, मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक जैसे वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति अपेक्षित होती है, लेकिन कार्यक्रम में इनकी अनुपस्थिति रही। इसके अलावा कार्यक्रम में पास जारी करने की प्रक्रिया में अव्यवस्था, मार्गों की सफाई नहीं होना, स्थल पर कचरे के ढेर, शौचालयों में पानी और पीने के पानी की व्यवस्था नहीं होने जैसी गंभीर कमियां भी सामने आईं। गोपीचंद मीणा ने कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू केवल देश की राष्ट्रपति ही नहीं, बल्कि करोड़ों आदिवासियों के आत्मसम्मान और गौरव का प्रतीक हैं। उनके साथ किसी भी प्रकार का अपमान पूरे आदिवासी समाज को आहत करता है। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज ऐसे मामलों का लोकतांत्रिक तरीके से जवाब देगा। मीणा ने कांग्रेस की चुप्पी पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि पार्टी अन्य मुद्दों पर बयान देती है, लेकिन देश की आदिवासी महिला राष्ट्रपति के अपमान पर मौन है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार जनजातीय समाज के सम्मान और विकास के लिए प्रतिबद्ध है और जनजातीय कार्य मंत्रालय के बजट 2026-27 में 42 प्रतिशत की वृद्धि की गई है।

विपक्ष मुद्दाविहीन होकर अनर्गल बयानबाजी में लगा : मदन राठौड़

जयपुर (हिंस)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि देश में विपक्ष पूरी तरह मुद्दाविहीन हो चुका है और अनर्गल बयानबाजी कर लोगों को भ्रमित करने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार सदन में हर सवाल का जवाब देने के लिए तैयार है, लेकिन विपक्ष लोकतांत्रिक मर्यादाओं का पालन करने के बजाय बार-बार सदन की कार्रवाई बाधित कर रहा है। राठौड़ ने कहा कि विपक्ष रचनात्मक चर्चा के बजाय सदन के बाहर और विदेशों में जाकर देश की छवि को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करता है, जो जिम्मेदार विपक्ष के अनुरूप नहीं है। उन्होंने कहा कि हाल ही में पेश केंद्रीय बजट में *विकसित भारत 2047* का स्पष्ट रोडमैप दिया गया है, जिसमें रेलवे के आधुनिकीकरण, ऊर्जा सुरक्षा, सड़कों के विस्तार, डिजिटल आधारभूत ढांचे, रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार पर जोर दिया गया है। उन्होंने कहा कि किसी भी लोकतंत्र में मजबूत और जिम्मेदार विपक्ष की अहम भूमिका होती है, लेकिन वर्तमान विपक्ष केवल नकारात्मक टिप्पणियों और भ्रामक खबरों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। विपक्ष का मुख्य एजेंडा सदन को चलने नहीं देना और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हो रहे विकास कार्यों को बाधित करना है। राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वैश्विक स्तर पर भारत का सशक्त नेतृत्व कर रहे हैं और विश्व समुदाय से युद्ध के बजाय कूटनीति और संवाद के माध्यम से समस्याओं के समाधान की अपील कर रहे हैं। भारत *वसुधैव कुटुम्बकम्* की भावना के साथ विश्व को शांति का संदेश दे रहा है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में मजबूत हुआ सामाजिक सुरक्षा का कवच

जयपुर (हिंस)। राजस्थान में सामाजिक सुरक्षा को मजबूत बनाने की दिशा में राज्य सरकार ने पिछले दो वर्षों में कई महत्वपूर्ण और प्रभावी निर्णय लिए हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं को निरंतर सुदृढ़ किया गया है, जिससे प्रदेश के लाखों जरूरतमंद नागरिकों को आर्थिक सुरक्षा और सम्मानजनक जीवन का भरोसा मिला है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के संवेदनशील और प्रभावी नेतृत्व वाली राज्य सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों के अनुरूप सामाजिक सुरक्षा पेंशन राशि में चरणबद्ध तरीके से वृद्धि की गई है। वर्ष 2024 में पेंशन राशि 1000 रुपए प्रतिमाह थी, जिसे बढ़ाकर 1150 रुपए किया गया। इसके बाद वर्ष 2025 में इसे 1250 रुपए प्रतिमाह कर दिया गया। जनवरी 2026 में इसे बढ़ाकर 1300 रुपए प्रतिमाह किया गया और अब राज्य सरकार ने इसे बढ़ाकर 1450 रुपए प्रतिमाह कर दिया है। इस प्रकार विगत दो वर्षों में पेंशन राशि में 450 रुपए की उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। प्रदेश में वर्तमान में सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के अंतर्गत 91 लाख से अधिक लाभार्थियों को नियमित पेंशन प्रदान की जा रही है। इनमें वृद्धजन, विधवा एवं एकल नारी, विशेष योग्यजन (दिव्यांगजन) तथा लघु एवं सीमांत कृषक शामिल हैं। इन योजनाओं का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को न्यूनतम आर्थिक सहारा उपलब्ध कराना है, ताकि वे सम्मानपूर्वक जीवन जी सकें और दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति कर सकें। जनवरी 2026 की पेंशन के बिल भी तैयार कर ईसीएस के लिए भेज दिए गए हैं, जिससे जल्द ही यह राशि लाभार्थियों के बैंक खातों में जमा हो जाएगी। मुख्यमंत्री के निर्देश पर राज्य सरकार ने पेंशन भुगतान व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाने के लिए डीबीटी (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर) प्रणाली को अपनाया है। इसके तहत पेंशन राशि सीधे लाभार्थियों के जनाधार पंजीकृत बैंक खातों में हस्तांतरित की जाती है। इस व्यवस्था से भुगतान प्रक्रिया पारदर्शी

बनी है और लाभार्थियों को समय पर पेंशन राशि प्राप्त हो रही है। राज्य सरकार ने पेंशन व्यवस्था को तकनीक से जोड़ते हुए इसे सरल और नागरिक-अनुकूल बनाया है। पेंशन से जुड़ी संपूर्ण प्रक्रिया को ऑनलाइन और पेपरलेस किया गया है। जनआधार आधारित सत्यापित डेटा के माध्यम से आवेदन, स्वीकृति और भुगतान की प्रक्रिया संचालित की जा रही है, जिससे पात्र व्यक्ति स्वयं, मोबाइल ऐप या ई-मित्र केंद्र के माध्यम से आसानी से आवेदन कर सकते हैं। यह शर्मा की ही दूरदर्शी सोच है कि पेंशन लाभार्थियों के वार्षिक सत्यापन की प्रक्रिया को भी निरंतर सरल बनाया गया है। लाभार्थी बायोमेट्रिक, प्रमाणीकरण, मोबाइल ऐप तथा ओटीपी आधारित प्रणाली के माध्यम से अपना सत्यापन करवा सकते हैं। यदि किसी कारणवश बायोमेट्रिक सत्यापन संभव नहीं हो पाता, तो संबंधित अधिकारी के समक्ष दस्तावेजों के सत्यापन के बाद स्वयं अथवा संबंधित पेंशन स्वीकृतिकर्ता अधिकारी के आधार पंजीकृत मोबाइल पर ओटीपी के माध्यम से भी सत्यापन किया जा सकता है। बैंकों के विलय के कारण आईएफएससी कोड बदलने से कुछ लाभार्थियों की पेंशन अस्थायी रूप से लंबित हो गई थी। राज्य सरकार ने इस समस्या के समाधान के लिए विशेष प्रयास किए हैं और अधिकांश लाभार्थियों की पेंशन का भुगतान सुनिश्चित किया जा चुका है। भविष्य में ऐसी स्थिति उत्पन्न न हो, इसके लिए बैंकिंग संस्थाओं और संबंधित एजेंसियों के साथ समन्वय स्थापित कर पेंशन पोर्टल पर बैंक वितरण संबंधी डाटा अद्यतन करने की प्रक्रिया पर भी कार्य किया गया है। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में संचालित सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं का उद्देश्य केवल आर्थिक सहायता देना नहीं, बल्कि समाज के कमजोर वर्गों को आत्मसम्मान, सुरक्षा और स्थायित्व प्रदान करना भी है। केंद्र तथा राज्य सरकार की विभिन्न योजनाएं मिलकर इस उद्देश्य को साकार कर रही हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार समाज में अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। सामाजिक सुरक्षा पेंशन में लगातार वृद्धि और पारदर्शी भुगतान व्यवस्था इस प्रतिबद्धता को मजबूत बनाती है। पेंशन राशि में हुई यह वृद्धि प्रदेश के लाखों परिवारों के लिए आर्थिक स्थिरता, सम्मान और सामाजिक सुरक्षा का मजबूत आधार बन रही है।

हरियाणा राज्यसभा चुनाव: भाजपा के संजय भाटिया, कांग्रेस के कर्मवीर बौद्ध और निर्दलीय सतीश नांदल में मुकाबला तय

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा की दो राज्यसभा सीटों के लिए नामांकन वापसी के अंतिम दिन सोमवार को किसी प्रत्याशी ने अपनी उम्मीदवारी वापस नहीं ली। अब 16 मार्च को मतदान तय हो गया है। भाजपा प्रत्याशी संजय भाटिया की जीत में कोई बाधा नहीं दिख रही, जबकि कांग्रेस की सीट पर कर्मवीर बौद्ध और सतीश नांदल के बीच वोटिंग से मुकाबला तय है। दो राज्यसभा सीटों के लिए नाम वापसी की प्रक्रिया खत्म होने के बाद राजनीतिक दल अपनी-अपनी रणनीति बनाने में जुट गए हैं। केंद्रीय ऊर्जा, आवासन एवं शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल जहां दो दिन के लि चंडीगढ़ में डेरा डाल रहे हैं, वहीं मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सोमवार रात को पंचकूला में अपने मंत्रिमंडल के सहयोगियों के साथ औपचारिक मीटिंग की। इस मीटिंग में राज्यसभा चुनाव की रणनीति पर चर्चा की गई। भाजपा ने केंद्रीय पर्यवेक्षक के रूप में गुजरात के उप मुख्यमंत्री हर्ष सांघवी को हरियाणा भेजा है। हरियाणा कांग्रेस के प्रभारी बीके हरिप्रसाद भी सोमवार दोपहर को चंडीगढ़ पहुंच गये थे। उनकी हरियाणा कांग्रेस के अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह और पार्टी प्रत्याशी कर्मवीर बौद्ध के साथ बंद कमरे में काफी देर तक चर्चा हुई। शाम को विपक्ष के नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा की अध्यक्षता में चंडीगढ़ स्थित पार्टी कार्यालय में कांग्रेस विधायक दल की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में कुछ विधायक शामिल नहीं हुए। बैठक में राज्यसभा चुनाव की रणनीति पर चर्चा हुई। संभावना जताई जा रही है कि जल्दी ही कांग्रेस के विधायकों को हिमाचल अथवा कर्नाटक में शिफ्ट किया जा सकता है। हरियाणा की दोनों राज्यसभा सीटों पर 16 मार्च को मतदान है। भाजपा की राज्यसभा सदस्य किरण चौधरी और रामचंद्र जांगडा का कार्यकाल पूरा होने की वजह से यह दोनों सीटें खाली हो रही हैं। 90 सदस्यीय हरियाणा विधानसभा के मौजूदा आंकड़ों के आधार पर एक सीट भाजपा और एक सीट कांग्रेस के खाते में जाने की संभावना मानी जा रही है। विधानसभा में कांग्रेस के 37 विधायक हैं, लेकिन निर्दलीय सतीश नांदल की उम्मीदवारी के बाद क्रास वोटिंग की आशंका से इन्कार नहीं किया जा सकता है। भाजपा को समर्थन दे रहे तीन निर्दलीय तथा सात भाजपा विधायक सतीश नांदल के प्रस्तावक हैं।

पंजाब विवि में एबीवीपी के कार्यक्रम में संघ नेता के पहुंचने पर हंगामा, दर्जनों छात्र हिरासत में

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब विश्वविद्यालय में सोमवार को श्री गुरू तेग बहादुर जी के संबंध में आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयं सेवक के वरिष्ठ पदाधिकारी को बुलाए जाने पर हंगामा हो गया। यहां छात्रों के एक गुट ने कार्यक्रम का विरोध करते हुए नारेबाजी की। कई घंटे तक चले हंगामे के बाद पुलिस ने दर्जनों छात्रों को हिरासत में लेकर स्थिति को नियंत्रित किया। छात्र नेता सुखमण सिंह ने कहा कि 9 मार्च को उन्होंने विरोध प्रदर्शन करने का ऐलान किया था, क्योंकि श्री गुरू तेग बहादुर जी पर पीयू प्रशासन ने प्रोग्राम रखा हुआ था, जिसका उनकी पार्टी विरोध कर रही थी। इससे पहले विवि प्रशासन से अपील की गई थी कि सिख इतिहास पर लेक्चर में आरएसएस पदाधिकारी को मुख्यातिथि न बनाया जाए। वाइस चांसलर को एक पत्र भी दिया था। सुखमण ने कहा कि वीसी ने उस समय कहा कि हां सब कुछ ठीक है, लेकिन उसके बाद कार्यक्रम रद्द नहीं किया। सुखमण ने कहा कि यहां पुलिस को बुलाकर छात्रों पर लाठीचार्ज किया गया है। उनके करीब सो साथी हिरासत में लिए गए हैं। सुखमण ने कहा कि विश्वविद्यालय परिसर में किसी भी संगठन या पार्टी का प्रचार नहीं होना चाहिए। एबीवीपी की पंजाब यूनिवर्सिटी यूनिट के अध्यक्ष आशीष शर्मा ने कहा कि आरएसएस के उत्तर क्षेत्र प्रचारक प्रमुख बनवीर राणा यूनिवर्सिटी पहुंचे थे। उन्होंने सिख गुरुओं के इतिहास और देश के लिए उनके बलिदान के बारे में जानकारी दी। इस कार्यक्रम का राजनीति से कोई संबंध नहीं था।

नई तकनीकों से जुड़कर ही विद्यार्थी भविष्य की चुनौतियों के लिए होंगे तैयार : तनुजा भट्ट

कानपुर (हिंस)। आज के समय में कृत्रिम बुद्धिमत्ता शिक्षा और शोध के क्षेत्र में तेजी से अपनी भूमिका बढ़ा रही है। विद्यार्थियों को नई तकनीकों से जोड़ना और उन्हें भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करना समय की आवश्यकता है। यह बातें सोमवार को शिक्षा विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. तनुजा भट्ट ने कहीं। छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय (सीएसजेएमयू) के शिक्षा विभाग में सोमवार को कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर आधारित इनोवेशन वर्कशॉप का उद्घाटन किया गया। द *एआई एनहैंस्ड एजुकेटर* थीम पर आयोजित इस वर्कशॉप का आयोजन शिक्षा विभाग और अकैडलर्न संस्था के संयुक्त सहयोग से किया जा रहा है। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना

और दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष डॉ. तनुजा भट्ट ने कहा कि विभाग विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए लगातार नए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। आधुनिक समय की जरूरतों को देखते हुए एआई जैसे क्षेत्रों में विद्यार्थियों को प्रशिक्षण देना बेहद जरूरी है। कार्यक्रम में एआई प्रज्ञा मिशन की विश्वविद्यालय नोडल अधिकारी डॉ. अंशु सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय की ओर से डेटा साइंस, मशीन लर्निंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जुड़े कई प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा चुके हैं। उनका उद्देश्य विद्यार्थियों को एआई के उपयोग के साथ-साथ नई तकनीकों के विकास में भी सक्षम बनाना है। अकैडलर्न संस्था के संस्थापक अच्युत सिंह ने संस्था की गतिविधियों की जानकारी दी। वहीं अतिथि वक्ता ईशान सिंह ने विद्यार्थियों को एआई की मूल अवधारणाओं और उसके उपयोग से जुड़े विषयों पर जानकारी दी। हाइब्रिड मोड में आयोजित इस वर्कशॉप में करीब 120 प्रतिभागियों ने नामांकन कराया है। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. गोपाल सिंह और संचालन डॉ. रत्नर्तुतु मिश्रा ने किया।

राज्य में उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए लाई जाएगी प्रोत्साहन नीति : सम्राट चौधरी

नकारात्मक लोगों के कारण बंद हो गई थी बिहार की चीनी मिलें : विजय सिन्हा

पटना (हिंस)। बिहार में बंद पड़ीं चीनी मिलों के चालू करने के साथ ही 25 नई चीनी मिलों की स्थापना और गन्ना की पैदावार बढ़ाने को लेकर सोमवार को गन्ना उद्योग विभाग के तत्वावधान में दो दिवसीय गन्ना प्रौद्योगिकी सेमिनार का आयोजन किया गया। इसका उद्घाटन राज्य के उपमुख्यमंत्री सह गृह मंत्री सम्राट चौधरी, उपमुख्यमंत्री सह राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री विजय कुमार सिन्हा, उद्योग मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल, मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित कर किया। अध्यक्षता गन्ना उद्योग मंत्री संजय कुमार ने की। इस अवसर सम्राट चौधरी ने कहा कि शीघ्र ही प्रोत्साहन नीति-2026 लाई जाएगी और इसके माध्यम से राज्य में उद्योग को बढ़ावा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि जो लोग मजदूरी करने के लिए बाहर जाते हैं, उन्हें पांच वर्ष के अंदर चिन्हित कर बिहार में ही रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा। यह सरकार की प्राथमिकता है और इस पर कार्य भी शुरू कर दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था का ज्ञान इसी बिहार ने दिया है।

गन्ना उत्पादन और चीनी उत्पादन के क्षेत्र में बिहार बहुत आगे था, लेकिन हम गन्ना के क्षेत्र में काफी पीछे छूट गए हैं। उन्होंने कृषि वैज्ञानिकों और गन्ना किसानों से अपील करते हुए कहा कि नई तकनीकी के साथ पुरानी पद्धति की ओर लौटना है, तभी हम अच्छी खेती कर पाएंगे। खेती की पुरानी पद्धति में कैसे लौटे इसपर भी चर्चा होनी चाहिए। उन्होंने प्राकृतिक खेती, उन्नत बीज, औषधि और किसानों को होने वाली चुनौती का समाधान कराने पर बल दिया। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि बिहार में पहले जितने चीनी मिले थीं, वह धीरे-धीरे बंद होती गईं। अब सरकार ने बंद मिलों को चालू कराने के साथ ही नई चीनी मिलें लगाने की दिशा में कार्य कर रही हैं। आज बिहार में 10 चीनी मिलें चालू हैं। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री और गृह मंत्री ने चुनावी सभा के दौरान मंच से बिहार में 25 नई चीनी मिलें लगाने की घोषणा की थी। वह आज मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में धरातल पर उतरने जा रही है। उन्होंने कहा कि अब एआई को ताकत बनाने का समय आ गया है। नई तकनीक को अपनाकर आगे बढ़े। सेमिनार को संबंधित करते हुए उपमुख्यमंत्री सह राजस्व मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि आजादी के समय हमारा बिहार गन्ना के क्षेत्र में काफी आगे था, लेकिन बदहाली के कारण इसे गर्त में पहुंचा दिया गया। अब मौसम बदला है और डबल इंजन की सरकार विकास को गति देने में लगी हुई है। उन्होंने कहा कि बिहार अब तेजी के साथ आगे बढ़ रहा है। नीयत साफ होगी, तो सफलता जरूर मिलेगी। राज्य में पहले 16 चीनी मिलें थी, लेकिन कुछ नाकारात्मक लोगों के कारण यह चीनी मिलें बंद हो गई थीं। आज 10 चीनी मिलें चालू हैं। वर्षों की बीमारी को दूर करने के लिए हम सभी मिलकर कार्य करेंगे, तो बिहार आगे ब ?कर रहेगा। उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा ने अपने संबोधन में कहा कि अपनी खोई हुई विरासत को पाने के लिए सरकार तेजी से कार्य कर रही है। गन्ना वासंतिक फसल के रूप में जाना जाता है और बसंत हमारे मिठास के प्रतिक है। गन्ना उद्योग विभाग ने किसानों के हित के लिए कई योजनाएं शुरू की है, ताकि किसानों को इसका लाभ मिल सके। गन्ना किसानों को पांच एकड़ तक मुफ्त बीज दिया जा रहा है। अनुदान पर यंत्र उपलब्ध कराए जा रहे हैं। सरकार ने छोटे किसानों और मजदूरों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया है। बिहार के मजदूर अब मजबूर नहीं हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में सहकारिता विभाग भी चीनी मिलें चलाने जा रही है। उत्तर बिहार के साथ ही दक्षिण बिहार के जिलों में भी चीनी मिलें स्थापित की जाएंगी। गन्ना की खेती के लिए उन्नति तकनीक को अपनाया जा रहा है। उद्योग मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल ने कहा कि बिहार का इतिहास गवाह है कि हम चीनी उत्पादन में देश के अग्रणी राज्य में थे। गन्ने की खेती के लिए बिहार बरदान है। उत्तर बिहार की भूमि बेहतर है। राज्य में गन्ना की खेती को बेहतर बनाने की दिशा में विभाग तेजी से कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य में उद्योग को बढ़ावा देने के लिए औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन योजना 2016 बनाई गई है। नई एथनॉल प्रोत्साहन नीति बनाई गई है। गन्ना केवल चीनी ही नहीं, बल्कि इंधन बनाने

विभिन्न मांगों को लेकर बिहार राज्य बस चालक संघ का धरना

भागलपुर (हिंस)। विभिन्न मांगों को लेकर बिहार राज्य बस चालक संघ के सदस्यों ने सोमवार को समाहरणालय परिसर में धरना दिया। इस धरना के कारण बसों का परिचालन ठप हो गया है। तीन माह के बकाये वेतन भुगतान की मांग को लेकर बिहार राज्य पथ परिवहन निगम के आउटसोर्सिंग चालक और खलासी धरना पर बैठे हैं। हड़ताल के कारण बीएसआरटीसी के बसों का परिचालन पूरी तरह से ठप हो गया है, जिसके कारण यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। धरना पर बैठे चालकों ने बताया कि वह लोग वर्ष 2020 से 627 रुपए दैनिक मजदूरी पर बिहार राज्य परिवहन विभाग में कार्य कर रहे हैं। हम सभी आउटसोर्सिंग कंपनी के माध्यम से यहां तैनात हैं। हमलोगों को किसी प्रकार का छुट्टी नहीं दी जाती है और 26 दिन का ही मानदेय दिया जाता है, जो मानदेय दिया जाता है उसमें भी कंपनी द्वारा भारी कटौती की जा रही है। पीएफ में कभी पैसा कंपनी जमा करती कभी नहीं करती है। पिछले तीन माह से हमलोगों को वेतन का भुगतान नहीं किया गया है। परिवार का भरण पोषण करना मुश्किल हो गया है। बीमार पड़ने पर सही से इलाज नहीं हो पाता है।

ग्लोबल मार्केट से जबरदस्त कमजोरी के संकेत एशिया में भी चौतरफा बिकवाली का दबाव

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से जबरदस्त गिरावट के संकेत हैं। पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने और कच्चे तेल की कीमत में जोरदार उछाल आने की वजह से दुनिया भर के स्टाक मार्केट में हाहाकार मचा हुआ है। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान बड़ी गिरावट के साथ बंद हुए। डाउ जान्स फ्यूचर्स भी जोरदार कमजोरी का शिकार हो गया। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली होती रही। वहीं एशियाई बाजार में भी चौतरफा बिकवाली हो रही है। पश्चिम एशिया के तनाव की वजह से पिछले सत्र के दौरान अमेरिकी बाजार में लगातार डर का माहौल बना रहा, जिसकी वजह से वाल स्ट्रीट के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए। एस एंड पी 500 इंडेक्स 90.69 अंक यानी 1.33 प्रतिशत टूट कर 6,740.02 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 348.72 अंक यानी 1.53 प्रतिशत लुढ़क कर 22,400.27 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं डाउ जान्स फ्यूचर्स फिलहाल 1,082.35 अंक यानी 2.28 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 46,419.20 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 129.19 अंक यानी 1.26 प्रतिशत की गिरावट के साथ 10,284.75 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.65 प्रतिशत फिसल कर 7,993.49 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 224.72 अंक यानी 0.95 प्रतिशत टूट कर 23,591.03 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में भी चौतरफा कमजोरी नजर आ रही है। एशिया के सभी नौ बाजार के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं। पश्चिम एशिया के तनाव की वजह से दक्षिण कोरिया और जापान के स्टाक मार्केट में एक बार फिर जबरदस्त गिरावट नजर आई। दक्षिण कोरिया के स्टाक मार्केट में जोरदार गिरावट की वजह से कोस्पी इंडेक्स शुरुआत में ही आठ प्रतिशत तक टूट गया, जिसकी वजह से सर्किट ब्रेकर चालू हो गए और ट्रेडिंग को 20 मिनट के लिए रोक दिया गया। कोस्पी इंडेक्स इस महीने दूसरी बार लोअर सर्किट का शिकार हुआ है।

न्यूज़ ब्रीफ

एयर इंडिया बढ़ा रही यूरोप और अमेरिका के लिए अतिरिक्त उड़ानें, यूरोप, उत्तर अमेरिका और दक्षिण एशिया के लिए 78 अतिरिक्त उड़ानें संचालित होंगी

नई दिल्ली। टाटा समूह की एयर इंडिया ने 10 से 18 मार्च के बीच यूरोप, उत्तर अमेरिका और दक्षिण एशिया के लिए 78 अतिरिक्त उड़ानें संचालित करने की घोषणा की है। इसमें न्यूयार्क (जेएफके), लंदन हीथ्रो, फ्रैंकफर्ट, पैरिस, एम्स्टर्डम और ज्यूरिख शामिल हैं। साथ ही माले और कोलंबो के लिए नई सेवाएं भी शुरू की जाएंगी। इन उड़ानों से नौ मार्गों पर कुल 17,660 सीटें जुड़ेंगी। इजरायल-ईरान संघर्ष के कारण पश्चिम एशिया के हवाई क्षेत्रों पर प्रतिबंध लगा हुआ है। कई एयरलाइनों को अपनी उड़ानें रद्द करनी पड़ीं या वैकल्पिक मार्गों से उड़ानें चलानी पड़ीं। एयर इंडिया ने वैकल्पिक और सुरक्षित मार्ग अपनाकर यूरोप और अमेरिका के लिए अपनी सेवाएं जारी रखी हैं। यूरोपीय उड़ानों के लिए बोइंग 787-8 और न्यूयार्क की उड़ानों के लिए बोइंग 777-300 ईआर का उपयोग किया जाएगा। इंडिगो ने भी मुंबई-लंदन मार्ग फिर से शुरू किया है, जिसमें नार्स अटलांटिक एयरवेज से लीज पर लिया गया बोइंग 787-9 इस्तेमाल हुआ। विमान अफ्रीका और लाल सागर मार्ग से यूरोप पहुंचता है, जिससे उड़ान लगभग 10 घंटे 30 मिनट लंबी हो गई। भारतीय एयरलाइनों के लिए पाकिस्तान-अफगानिस्तान कारिडोर बंद है। इसलिए वे सीमित विकल्पों में वैकल्पिक मार्ग अपनाने को मजबूर हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, लंबी उड़ानों से ईंधन लागत और संचालन जटिलताएं बढ़ रही हैं।

फिनो पेमेंट्स बैंक ने केतन मर्चेंट को नया अंतरिम सीईओ नियुक्त किया

Fino Fino Payments Bank

नई दिल्ली। फिनो पेमेंट्स बैंक के एमडी और सीईओ ऋषि गुप्ता को पिछले महीने जीएसटी से संबंधित कथित उल्लंघन के मामले में गिरफ्तार किया गया। इस मामले में उन्हें अभी तक जमानत नहीं मिली है। गिरफ्तारी के बाद बैंक के बोर्ड ने गुप्ता के कार्यभार की जिम्मेदारी मुख्य वित्तीय अधिकारी केतन मर्चेंट को सौंप दी थी। बैंक ने बताया कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने केतन मर्चेंट को अंतरिम सीईओ नियुक्त करने की मंजूरी दे दी है। यह नियुक्ति 27 फरवरी, 2026 से तीन महीने या गुप्ता के फिर से कार्यभार संभालने तक लागू होगी। मर्चेंट बैंक के सीएफओ भी हैं और गुप्ता की गिरफ्तारी के बाद उन्होंने बैंक के रोजमर्रा के संचालन का नेतृत्व किया। गुप्ता का बैंक में वापस आना बोर्ड और नामांकन व पारिश्रमिक समिति (एनआरसी) द्वारा उनकी उपयुक्तता की पुनः समीक्षा और आरबीआई की मंजूरी पर निर्भर करेगा। दिलचस्प बात यह है कि गिरफ्तारी से लगभग एक महीने पहले ही आरबीआई ने गुप्ता का कार्यकाल तीन साल के लिए बढ़ाने की अनुमति दी थी, जो 2 मई, 2026 से प्रभावी होगा।

महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त कर रही हैं सरकारी योजनाएं: निर्मला सीतारमण

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि वित्तीय सेवाओं तक महिलाओं की पहुंच उन्हें असली आजादी दिलाने में अहम भूमिका निभा रही है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफ़ार्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि जनधन खाता और लखपति दीदियों जैसी सरकारी योजनाएं महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त कर रही हैं और घरों तथा समुदायों को नया आकार दे रही हैं। जनधन योजना की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार देश में अब तक 57.71 करोड़ खाते खोले जा चुके हैं। सीतारमण ने बताया कि महिलाओं के पास 28 करोड़ से अधिक जनधन खाते हैं, जो पूरे भारत में वित्तीय सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित कर रहे हैं। लखपति दीदी योजना का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं को आर्थिक रूप से सक्षम बनाना है। योजना के तहत स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) से जुड़ी महिलाओं को ट्रेनिंग, वित्तीय सहायता और अन्य संसाधन प्रदान किए जाते हैं। इसका लक्ष्य महिलाओं को इतना सक्षम बनाना है कि वे सालाना एक लाख रुपए या उससे अधिक की आय अर्जित कर सकें। इस योजना से ग्रामीण महिलाओं को रोजगार और आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिलता है।

सब्सक्रिप्शन के लिए राजपूताना स्टेनलेस का आईपीओ लान्च, 16 मार्च को हो सकती है लिस्टिंग

नई दिल्ली

स्टील सेक्टर में काम करने वाली कंपनी राजपूताना स्टेनलेस लिमिटेड का 254.98 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए लान्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 11 मार्च तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 12 मार्च को शेयरों का अलाटमेंट किया जाएगा, जबकि 13 मार्च को अलाटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 16 मार्च को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं।

इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 116 रुपये से लेकर 122 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लाट साइज 110 शेयर का है। राजपूताना स्टेनलेस लिमिटेड के इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम 1 लाट यानी 110 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 13,420 रुपये का निवेश करना होगा। इसी तरह रिटेल इनवेस्टर 1,87,880 रुपये के निवेश से अधिकतम 14 लाट के लिए बोली लगा सकते हैं। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 2.09 करोड़ शेयर जारी हो रहे हैं। इनमें 179 करोड़ रुपये के 1,46,50,000 नए शेयर और 75.98 करोड़ रुपये के 62,50,000 शेयर आफर फार सेल विंडो के जरिये बेचे जा रहे हैं।

इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 50 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 35 प्रतिशत हिस्सा और नान इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 15 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए निर्भय कैपिलट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि केफिन टेक्नोलाजीज लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रास्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 24.04 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 31.63 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 39.85 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से 30 सितंबर 2025 तक कंपनी को 24.41 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है।

इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में मामूली उतार-चढ़ाव होता रहा। वित्त वर्ष 2022-23 में इसे 950.69 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 में कम होकर 915.50 करोड़ और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 937.49 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से 30 सितंबर 2025 तक कंपनी को 502.77 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हो चुका है।

इस अवधि में कंपनी के कर्ज में भी उतार चढ़ाव होता रहा। वित्त वर्ष 2022-23 के अंत में कंपनी पर 79.83 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो वित्त वर्ष 2023-24 में घट कर 79.76 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 99.75 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली तिमाही यानी अप्रैल से जून 2025 की बात करें, तो इस दौरान कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ 85.91 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

इस अवधि में कंपनी के रिजर्व और सरप्लस में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 में ये 46.73 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2023-24 में बढ़ कर 78.36 करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह 2024-25 में कंपनी का रिजर्व और सरप्लस 83.75 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से 30 सितंबर 2025 तक ये 108.16 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

इसी तरह ईबीआईटीडीए (अर्निंग बिफोर इंट्रेस्ट, टैक्सेज, डिप्रेशिएशंस एंड एमार्टाइजेशन) 2022-23 में 43.85 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2023-24 में बढ़ कर 59.41 करोड़ रुपये हो गया। इसके बाद 2024-25 में कंपनी का ईबीआईटीडीए उछल कर 73.79 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से 30 सितंबर 2025 तक ये 45.92 करोड़ रुपये के स्तर पर था।

एआई एजेंट बन सकते हैं सबसे बड़ा साइबर खतरा
साइबर सुरक्षा फर्म

नई दिल्ली

साइबर सुरक्षा फर्म जीस्केलर के एक वरिष्ठ अधिकारी ने हाल ही में कहा कि देश को स्वदेशी एआई (सावरिन एआई) के विकास में लगातार आगे बढ़ते रहना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि एआई तकनीक में पाँच साल पीछे रहें, तो यह देश के लिए नुकसानदेह होगा। तीन साल की देरी भी प्रतिस्पर्धा में पिछड़ने जैसा है। उन्होंने कहा कि साइबर सुरक्षा में तकनीकी समय की देरी सबसे महत्वपूर्ण है, क्योंकि पिछड़ी तकनीक के कारण हैकर्स और खतरनाक एजेंट नेटवर्क में आसानी से प्रवेश कर सकते हैं।

जय चौधरी ने साइबर खतरों को दो श्रेणियों में बाँटा। पहला, हैकर समूह जो जल्दी पैसा कमाने के लिए हमले करते हैं। दूसरा, देश-स्तरीय एजेंट जो आईपी चोरी और युद्धकालीन फायदे के लिए नेटवर्क में बैकडोर और स्पाइवेयर एम्बेड करते हैं। उन्होंने बताया कि इंटरनेट पर हर खुला पाइंट अटैक सरफेस बन जाता है।

पहले हैकरों को हफ्तों लगते थे, अब एआइ 30 सेकंड में पूरी जानकारी जुटा सकता है। सिलिकन वैली में कार्यालय खोलने से पहले जीस्केलर ने बेंगलुरु में अपना आफिस खोला। भारत में कंपनी के लगभग 40 फीसदी कर्मचारी काम करते हैं, जिनमें बेंगलुरु, चंडीगढ़, पुणे और हैदराबाद शामिल हैं। साफ्टवेयर डेवलपमेंट और ट्रेनिंग टीम का लगभग आधा हिस्सा भारत में है, जो अमेरिका के बाहर कंपनी का सबसे बड़ा केंद्र बनाता है। जय चौधरी ने सावरिन एआई और उन्नत तकनीक के बीच संतुलन बनाए रखने पर जोर दिया। उनका कहना है कि भारत को न केवल एआई विकसित करना चाहिए, बल्कि सुरक्षा खतरों से निपटने के लिए तत्पर भी रहना चाहिए।

पृष्ठ एक का शेष

असम, बंगाल समेत ...

यह बताया जा सकता है कि असम को छोड़कर, चुनाव आयोग ने वोटर लिस्ट के लिए स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) किया था, जो चुनाव वाले पश्चिम बंगाल, केरल, तमिलनाडु और पुडुचेरी में किया गया था। असम में वोटर लिस्ट का स्पेशल रिवीजन (एसआर) किया गया।

16-17 मार्च तक ...

मुख्यमंत्री ने ये टिप्पणियां तब कीं जब जन आशीर्वाद यात्रा को 26 नंबर बोजाली निर्वाचन क्षेत्र में जनता का जबरदस्त समर्थन मिला, जहां हजारों समर्थक सड़कों पर खड़े होकर उनका और अन्य वरिष्ठ भाजपा नेताओं का स्वागत करने के लिए मौजूद थे। यात्रा का शुभारंभ ऐतिहासिक बामखाता सत्रा से हुआ, जहां शर्मा ने प्रार्थना करने के बाद समर्थकों को संबोधित किया और लोगों का आशीर्वाद मांगा। इसके बाद रैली केंदुगुरी से राष्ट्रीय राजमार्ग 127 होते हुए पाठशाला की ओर बढ़ी। बाद में दिन में, मुख्यमंत्री दोपहर करीब 2 बजे पाटाचारकुची पहुंचे, जहां हजारों लोग रैली में शामिल होने के लिए एकत्र हुए थे। सभा को संबोधित करते हुए शर्मा ने कहा कि 28 फरवरी को शुरू हुई इस यात्रा का उद्देश्य आगामी चुनावों से पहले राज्य भर के लोगों का आशीर्वाद प्राप्त करना है। उन्होंने पिछले पांच वर्षों में भाजपा सरकार द्वारा शुरू की गई विकास पहलों पर भी प्रकाश डाला और विश्वास व्यक्त किया कि एक और जनादेश राज्य भर में विकास को गति देगा। पाटाचारकुची के बाद, जुलूस तिहू और फिर नलबाड़ी की ओर बढ़ा, जहां भारी भीड़ ने यात्रा का स्वागत करने के लिए सड़कों पर कतारें लगा रखी थीं। तिहू में समर्थकों को संबोधित करते हुए शर्मा ने कहा कि सड़कें उन लोगों से भरी हुई हैं जो भाजपा को आशीर्वाद देने के लिए निकले हैं। इसी बीच, जब यात्रा तिहू से गुजरी, तो एक समूह ने असम के सांस्कृतिक प्रतीक जुबीन गर्ग के लिए न्याय की मांग करते हुए मार्ग में विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने तख्तियां पकड़ी हुई थीं और *जुबीन दा के लिए न्याय* के नारे लगा रहे थे। एक प्रदर्शनकारी ने कहा कि मुख्यमंत्री ने पहले इस मामले में न्याय का आश्वासन दिया था, लेकिन उनका दावा है कि लोग परेशान हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि न्याय में देरी हुई है। मुख्यमंत्री शर्मा द्वारा आयोजित यात्राओं से हमें कोई आपत्ति नहीं है। हमें जुबीन गर्ग के लिए न्याय चाहिए और जब तक न्याय नहीं मिल जाता, हम चैन से नहीं बैठेंगे, एक अन्य प्रदर्शनकारी ने कहा।

कांग्रेस ने राज्य को ...

पर प्रकाश डालते हुए, मुख्यमंत्री ने गुवाहाटी में अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान की स्थापना को राज्य में तेजी से परियोजना क्रियान्वयन का एक प्रमुख उदाहरण बताया। शर्मा के अनुसार, यह प्रमुख स्वास्थ्य संस्थान असम में चिकित्सा बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और क्षेत्र में उन्नत स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंच में सुधार करने के लिए केंद्र की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। गुवाहाटी स्थित एम्स का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अप्रैल 2023 में किया था और तब से यह कई विशिष्ट चिकित्सा सेवाएं प्रदान कर रहा है। मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य सेवा, अवसंरचना, कनेक्टिविटी और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में विकास को गति देने में राज्य सरकार और केंद्र के बीच समन्वित प्रयासों की भूमिका पर अक्सर प्रकाश डाला है। अधिकारियों ने यह भी कहा है कि केंद्र सरकार से मिल रहे बेहतर समर्थन और कार्यान्वयन तंत्र में सुधार के कारण असम में कई अन्य परियोजनाएं भी तेजी से आगे बढ़ रही हैं। शर्मा की ये टिप्पणियां राज्य में विकास परियोजनाओं की गति और वितरण को लेकर सत्ताधारी गठबंधन और विपक्षी दलों के बीच जारी राजनीतिक खींचतान के बीच आई हैं।

चुनाव से पहले अगप ...

पार्टी में शामिल होने की इच्छा जताई थी। उनके इस फैसले से उनके विधानसभा क्षेत्र के लोग भी उत्साहित हैं। गोगोई ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में जयंत खाउंद कांग्रेस के साथ मिलकर मजबूती से चुनाव लड़ेंगे। उनके साथ कई अन्य सहयोगी भी दिल्ली आए हैं, जो कांग्रेस की सदस्यता लेंगे। उन्होंने कहा कि असम में मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के खिलाफ जनता में नाराजगी है और लोग उनकी कार्यशैली से असंतुष्ट हैं। जितेंद्र सिंह ने कहा कि जयंत खाउंद ने एक युवा नेता के रूप में राजनीति की शुरुआत की और असम की संस्कृति की रक्षा के लिए लगातार काम किया है। प्रदेश में हिमंत सरकार बनने के बाद क्षेत्रीय दलों को कमजोर करने की कोशिशें हुईं, लेकिन जयंत खाउंद अपने मूल्यों पर कायम रहे। उन्होंने कांग्रेस में शामिल होने पर उनका स्वागत करते हुए कहा कि उनके आने से पार्टी को मजबूती मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने पीपीपी ...

व्यंजनों का सूक्ष्म स्पर्श मिलता है। सिरेमिक कलाकार जया बोरो द्वारा तांबे के शिखर से सुसज्जित जापी शैली से प्रेरित इसकी छत स्वागत का प्रतीक है। मृदु मोशुम बोरा की कलाकृतियां वैष्णव नृत्य और काजीरंगा के वन्यजीवों को दर्शाती हैं, जबकि श्रद्धांजलि स्वरूप संगीतकार भूपेन हजारिका और जुबीन गर्ग को सम्मानित किया गया है। संरक्षणवादी एडवर्ड प्रिचर्ड गी द्वारा ली गई अभिलेखीय तस्वीरें पार्क के गैंडों और घास के मैदानों को बचाने के शुरुआती संघर्षों को उजागर करती हैं। स्थानीय वास्तुकारों, कलाकारों, इतिहासकारों और शिल्पकारों ने असम की सांस्कृतिक परंपराओं को संरक्षित करते हुए इस संपदा को आकार दिया। अधिकारी पीपीपी (पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप) को सतत पर्यटन के एक आदर्श के रूप में सराहते हैं, जो काजीरंगा के सौ साल पुराने संरक्षण वृत्तांत की ओर पर्यटकों को आकर्षित करता है, बिना इसकी पारिस्थितिकी को नुकसान पहुंचाए।

चुनावी हिंसा पर शून्य...

15 मिनट का समय दिया गया। बैठक में कई राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय दलों के प्रतिनिधि शामिल हुए।

गुवाहाटी में निर्मित ...

बामुनीमैदान सहित कई प्रमुख जगहों से होकर गुजरता है। अधिकारियों का कहना है कि यह फ्लाईओवर इन व्यस्त इलाकों में गाड़ियों की आवाजाही को आसान बनाने में मदद करेगा, जहां अक्सर पीक आवर्स में लंबा ट्रैफिक जाम लगता है। फ्लाईओवर का निर्माण 2023 के आखिर में शुरू हुआ और लगभग 18 महीनों में पूरा हुआ। यह ऊंचा स्ट्रक्चर 122 खंभों पर खड़ा है, जो एक लगातार कॉरिडोर बनाता है जिसे शहर भर में ट्रैफिक की आसान और तेज आवाजाही को आसान बनाने के लिए डिजाइन किया गया है। अधिकारियों का कहना है कि फ्लाईओवर का नाम महाराजा पृथु के नाम पर रखा गया है, जो इस इलाके की ऐतिहासिक विरासत से जुड़े एक पुराने शासक थे। इस नामकरण को असम के सांस्कृतिक अतीत के लिए एक श्रद्धांजलि के तौर पर देखा जा रहा है, साथ ही यह गुवाहाटी में इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास के एक नए दौर का प्रतीक भी है।

एलपीजी गैस सिलेंडर ...

देने का भी आदेश दिया गया है। सूत्रों के मुताबिक, सरकार की प्राथमिकता घरेलू ग्राहक हैं। भारत ने एलपीजी के लिए नए पार्टनर की तलाश भी शुरू कर दी है। इसके लिए अल्जीरिया, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, नॉर्वे जैसे देशों ने भारत से संपर्क किया है। वहीं पेट्रोल-डीजल की कीमत बढ़ने की संभावना पर कहा गया कि जब तक कच्चे तेल की कीमत यूएसडी 130 प्रति बैरल से ऊपर नहीं जातीं, तब तक देश में पेट्रोल-डीजल के दाम नहीं बढ़ेंगे। इसके पीछे तर्क दिया गया है कि भारत के पास अभी पर्याप्त स्टॉक है। दावा किया जा रहा है कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज बंद होने के बाद दूसरे रूट से भी क्रूड ऑयल की सोर्सिंग बढ़ा दी गई है। एविएशन टर्बाइन फ्यूल का पर्याप्त स्टॉक होने की भी बात कही गई है।

नागरिकों की सुरक्षा...

आने-जाने वाले भारतीय यात्रियों और इन देशों में तय परीक्षाओं में बैठने वाले छात्रों को होने वाली मुश्किलों के बारे में बताया गया। इसने सभी संबंधित मंत्रालयों और विभागों को इन समस्याओं से निपटने के लिए सही कदम उठाने का निर्देश दिया। प्रधानमंत्री नए डेवलपमेंट पर करीब से नजर रख रहे हैं। विदेश मंत्री ने बताया कि पश्चिम एशिया भारत के लिए विशेष महत्व रखता है क्योंकि खाड़ी देशों में लगभग एक करोड़ भारतीय नागरिक रहते और काम करते हैं, जबकि ईरान में भी हजारों भारतीय छात्र और पेशेवर मौजूद हैं। इसके अलावा यह क्षेत्र भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। खाड़ी देश एक बड़ा ट्रेड पार्टनर भी हैं, जो हर साल लगभग 200 बिलियन अमेरिकी डॉलर का कारोबार करते हैं।

मोजतबा के समर्थन में ...

में भारी भीड़ उमड़ी। उनके हाथों में मोजतबा की तस्वीरें और ईरानी झंडे थे। ईरान का सुप्रीम लीडर चुनने वाली संस्था ने 56 साल के इस सीक्रेट धर्मगुरु को सुप्रीम लीडर घोषित किया। जानकार बताते हैं कि मोजतबा खामेनेई के ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स के साथ करीबी रिश्ते हैं और कभी कोई पॉलिटिकल पद न संभालने के बावजूद ईरानी पॉलिटिक्स में पर्दे के पीछे उनका बहुत असर है। अयातुल्ला खामेनेई की मौत के बाद उन्हें ही उत्तराधिकारी माना जा रहा था, लेकिन लंबे वक्त तक ईरान ने इसकी घोषणा नहीं की। ईरान के अंदर कुछ राजनीतिक हस्तियों ने खानदानी आधार पर उत्तराधिकार की आलोचना की है और इसकी तुलना 1979 की इस्लामिक क्रांति में खत्म की गई राजशाही से की है। बता दें कि युद्ध शुरू होने के बाद से मोजतबा खामेनेई पब्लिक में नहीं दिखे हैं।

तेल की कीमतें 100...

सकती है। इस बीच, ईरान के सैन्य नेतृत्व ने एक कड़ी चेतावनी जारी की। ईरानी सेना की यूनिफाइड कॉम्बैटेंट कमांड खतम अल-अनबिया सेंट्रल हेडक्वार्टर्स ने कहा कि यदि अमेरिका और इजराइल ईरान के ऊर्जा ढांचे पर हमले जारी रखते हैं तो पूरे क्षेत्र की तेल सुविधाओं को निशाना बनाया जा सकता है। ईरानी अधिकारियों ने हाल के अमेरिका और इजराइल ऑपरेशन को *क्रूर हमले* बताते हुए आरोप लगाया कि इन हमलों में ईरान के तेल और ऊर्जा के आधारभूत संरचना के साथ-साथ नागरिक सुविधाओं को भी निशाना बनाया गया है।

बंगाल सरकार ने ...

मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि राष्ट्रपति के बागडोगरा हवाई अड्डा पहुंचने पर प्रोटोकॉल के अनुसार उनका स्वागत किया गया था। मुख्यमंत्री के अनुसार, सिलीगुड़ी नगर निगम के मेयर गौतम देव, दार्जिलिंग के जिला अधिकारी और सिलीगुड़ी महानगर पुलिस आयुक्त वहां मौजूद थे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के रूप में उनके स्वागत करने या कार्यक्रम के मंच पर उपस्थित रहने की कोई पूर्व योजना नहीं थी, इसलिए प्रोटोकॉल उल्लंघन का सवाल ही नहीं उठता।

टीम इंडिया की सफलता ...

की जीत नहीं बल्कि दृढ़ संकल्प संयम और आत्मविश्वास की शक्ति का प्रमाण है। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर कहा कि टी20 क्रिकेट विश्व कप जीतकर भारतीय टीम ने यह साबित कर दिया है कि दृढ़ संकल्प संयम और आत्मविश्वास का संयोजन ही जीवन में सफलता की कुंजी है। यह जीत यह भी दर्शाती है कि सही दिशा में कड़ी मेहनत से हर लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। प्रधानमंत्री ने एक संस्कृत *सुभाषितम् अभीप्सां स्वात्मनो रक्षाऽविरतं सुस्थिरं तया। यत्नमातिष्ठ धैर्येण ततः सिद्धिर्भवेद् ध्रुवम्* साझा किया। उन्होंने इसका अर्थ बताते हुए कहा है कि जीवन में प्रगति चाहने वाले किसी भी व्यक्ति को दृढ़ता और लगन से प्रयास करना चाहिए। धैर्य के साथ निरंतर कड़ी मेहनत निश्चित रूप से सफलता का मार्ग प्रशस्त करेगी।

विश्व कप से पहले टूट चुके थे संजू , सचिन तेंदुलकर की सलाह से लौटा आत्मविश्वास

अहमदाबाद

भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज संजू सैमसन के लिए साल 2026 किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं रहा। इस सफर में निराशा भी थी और शानदार वापसी भी। आखिरकार उन्होंने आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप में दमदार प्रदर्शन करते हुए टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई।

जनवरी 2026 में तिरुवनंतपुरम में घरेलू दर्शकों के सामने सैमसन को बड़ा झटका लगा, जब ओपनर-विकेटकीपर की जगह ईशान किशन को विश्व कप टीम में प्राथमिकता दी गई।

2025 की शुरुआत से ही सैमसन खराब फार्म से जूझ रहे थे। बीच में टीम प्रबंधन ने उन्हें मिडिल आर्डर में भी भेजा ताकि शुभमन गिल को ऊपर मौका दिया जा सके। बाद में उन्हें फिर ओपनिंग पर लौटाया गया, लेकिन रन नहीं बने और अंततः किशन ने उनकी जगह ले ली।

सैमसन ने टी 20 विश्व कप जीत के बाद कहा, न्यूजीलैंड सीरीज के बाद मैं पूरी तरह टूट चुका था। मुझे लगा कि मेरा सपना खत्म हो गया है और अब मैं क्या कर सकता हूं।

विश्व कप की शुरुआत में सैमसन टीम से बाहर थे और बेंच पर बैठे थे। बाद में जब अभिषेक शर्मा बीमार पड़े तो उन्हें एक मैच खेलने का मौका मिला।

जब भारतीय टाप-आर्डर आफ स्पिन के खिलाफ संघर्ष करने लगा तो टीम ने फिर सैमसन को मौका दिया और यहीं से उनकी शानदार वापसी शुरू हुई।

जिम्बाब्वे के खिलाफ 15 गेंदों में 24 रन बनाकर सैमसन ने संकेत दे दिए थे कि उनका आत्मविश्वास लौट रहा है। लेकिन असली धमाका ईडन गार्डन्स, कोलकाता में देखने को मिला, जहां उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ वर्चुअल नाकआउट मुकाबले में 50 गेंदों पर 97 रन ठोक दिए।

इसके बाद उनका बल्ला लगातार चलता रहा। सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ और फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ उन्होंने क्रमशः 42 गेंदों पर 89 और 46 गेंदों पर 89 रन बनाकर भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई।

सैमसन ने खुलासा किया कि पिछले कुछ महीनों से वह क्रिकेट के महान खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर के लगातार संपर्क में थे।

उन्होंने कहा, पिछले कुछ महीनों से मैं सचिन सर के लगातार संपर्क में हूं। जब मैं आस्ट्रेलिया दौरे के दौरान टीम से बाहर बैठा था, तब मैंने सोचा कि अब किस मानसिकता की जरूरत है। इसलिए मैंने उनसे संपर्क किया और उनसे लंबी बातचीत हुई।

उन्होंने आगे बताया कि फाइनल से एक दिन पहले भी सचिन तेंदुलकर ने उन्हें फोन कर उनका हालचाल पूछा।

सैमसन 2024 में भी टी20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थे, लेकिन उन्हें एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला था।

उन्होंने कहा, उस समय से ही मैं इस पल की कल्पना करता था। मैं लगातार मेहनत करता रहा और यही करना चाहता था। शायद भगवान की यही योजना थी कि मुझे अहम मैचों में मौका मिले और मैं देश के लिए अपना योगदान दे सकूं।

सैमसन ने कहा कि विश्व कप जीतना उनके लिए किसी सपने के सच होने जैसा है और इस पल को शब्दों में बयां करना मुश्किल है।

न्यूज ब्रीफ

घरेलू मैदान पर टी20 विश्व कप फाइनल में प्लेयर आफ द मैच बनना बेहद खासः जसप्रीत बुमराह

अहमदाबाद। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने कहा कि आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 के फाइनल में प्लेयर आफ द मैच बनना उनके लिए बेहद खास पल है, खासकर इसलिए क्योंकि यह जीत उनके घरेलू मैदान पर मिली। भारत ने न्यूजीलैंड को फाइनल में 96 रन से हराकर खिताब अपने नाम किया। यह टी20 विश्व कप के इतिहास में भारत की सबसे बड़ी जीत भी रही। यह मुकाबला नरेंद्र मोदी स्टेडियम, अहमदाबाद में खेला गया, वही मैदान जहां भारत को आईसीसी क्रिकेट विश्व कप 2023 के फाइनल में हार का सामना करना पड़ा था। बुमराह ने मैच के बाद कहा, यह बेहद खास महसूस हो रहा है क्योंकि मैंने अपने घरेलू मैदान पर पहले भी एक फाइनल खेला था, लेकिन तब हम जीत नहीं सके थे। आज यहां जीत हासिल करना बहुत खास है। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट पर 255 रन का विशाल स्कोर बनाया। इसके जवाब में न्यूजीलैंड की टीम 159 रन पर सिमट गई। बुमराह ने शानदार गेंदबाजी करते हुए अपने ओवरों में 15 रन देकर 4 विकेट लेकर मैच का रुख भारत की ओर मोड़ दिया। उन्होंने कहा, मुझे पता था कि पिच बल्लेबाजों के लिए अनुकूल है, इसलिए मुझे अपने अनुभव का पूरा इस्तेमाल करना था। इस टूर्नामेंट से पहले मुझे लग रहा था कि मैं जरूरत से ज्यादा कोशिश कर रहा हूं। लेकिन इस बार मैंने खेल को अपने पास आने दिया और यह रणनीति कारगर रही। बुमराह ने भारतीय गेंदबाजी आक्रमण की भी सराहना की और कहा कि पूरी टीम ने दबाव की स्थिति में भी धैर्य बनाए रखा। उन्होंने कहा, जब भी हम चर्चा करते हैं तो सभी खिलाड़ी विकल्प लेकर आते हैं। हमने कभी घबराहट नही दिखाई और संयम बनाए रखा। जो टीमें ऐसा करती हैं, वही टूर्नामेंट जीतती हैं और मुझे खुशी है कि हमने भी ऐसा किया। बुमराह ने कहा कि विश्व कप फाइनल में अपने घरेलू मैदान पर प्लेयर आफ द मैच बनना उनके करियर के सबसे यादगार पलों में से एक रहेगा।

अभिषेक के लिए लकी साबित हुआ शिवम से उधार लिया बल्ला

अहमदाबाद। भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने टी20 विश्वकप 2026 के खिलाफ मुकाबले में शानदार अर्धशतकीय पारी खेलकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई है। अभिषेक के लिए इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल तक के मैच अच्छे नहीं रहे थे। ऐसे में उनके ऊपर फाइनल में बड़ी पारी खेलने का दबाव था जिसमें वह सफल रहे पर क्या आप जानते हैं जिस बल्ले से अभिषेक ने ये आक्रामक पारी खेली वह उन्होंने शिवम दुबे से उधार लिया हुआ था जो उनके लिए लकी साबित हुआ। बल्ला बदलने की योजना अभिषेक ने मैच की सुबह की। एक रिपोर्ट के अनुसार , अभिषेक ने फाइनल जीतने के बाद कहा, मैंने शिवम दुबे के बल्ले से बल्लेबाजी की, इसलिए उसे धन्यवाद देता हुं। सुबह मुझे कुछ अलग करने का मन हुआ और मैंने ऐसा किया। अभिषेक ने केवल 18 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा कर लिया था और भारतीय टीम को एक अच्छी शुरुआत दिलाई थी।

15 मार्च से होगी न्यूजीलैंड-दक्षिण अफ्रीका टी20 सीरीज, बेहतर प्रदर्शन के इरादे से उतरेंगी ली तहूहू

आकलैंड। न्यूजीलैंड टीम 15 मार्च से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज खेलेगी। इसमें एकदिवसीय प्रारुप को अलविदा कहने वाली तेज गेंदबाज ली तहूहू का प्रयास बेहतर प्रदर्शन कर टी20 टीम में अपनी जगह पक्की करना रहेगा। तहूहू ने एकदिवसीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है। वह हालांकि टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलती रहेंगी। तहूहू ने कहा कि उनका प्रयास टीम को टी20 विश्व कप 2026 में जीत दिलाना है। उन्होंने कहा कि साल 2024 में टी20 विश्व कप जीतना टीम के लिए बड़ी उपलब्धि थी और वह इंग्लैंड में होने वाले टूर्नामेंट में खिताब बचाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इस क्रिकेटर का कहना है कि अब अपना पूरा ध्यान टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट पर लगाएंगी।

एसजेएफआई के नेशनल कन्वेंशन की मेजबानी दो दशकों बाद करेगी दिल्ली, हीरो मोटोकार्प टाइटल स्पान्सर घोषित

नई दिल्ली

स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट्स फेडरेशन आफ इंडिया (एसजेएफआई) के नेशनल कन्वेंशन की मेजबानी दो दशकों बाद एक बार फिर नई दिल्ली करने जा रही है। इस बार आयोजन पहले से अधिक भव्य और बड़े स्तर पर होगा। 13 से 16 मार्च तक होने वाले इस चार दिवसीय कन्वेंशन के लिए देश की अग्रणी दोपहिया वाहन निर्माता कंपनी हीरो मोटोकार्प को टाइटल स्पान्सर घोषित किया गया है। इस वर्ष एसजेएफआई के 50 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में इसका गोल्डन जुबली संस्करण मनाया जाएगा।

23 साझेदारों का मिला मजबूत समर्थन

गोल्डन जुबली कन्वेंशन को देश की कई प्रमुख कंपनियों और खेल संगठनों का समर्थन मिला है। टाइटल स्पान्सर हीरो मोटोकार्प के अलावा कुल 23 संस्थाएं इस आयोजन से जुड़ी हैं। इनमें सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क , दिल्ली डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन (डीडीसीए) , जिंदल स्टील, रेड बुल, पंजाब किंग्स, दिल्ली कैपिटल्स, राजस्थान यूनाइटेड एफसी और आर्चरी एसोसिएशन आफ इंडिया सहित कई संस्थाएं शामिल हैं। इसके अलावा एसजी स्पोर्ट्स, जेके टायर, डीडीए, विदा, ईएसजीएफ, वर्ड्सवर्क कम्युनिकेशन कंसल्टिंग और अन्य कई संगठनों ने भी इस आयोजन में साझेदारी की है।

खेल और मीडिया जगत का बड़ा मंच

डीएसजेए के सचिव साबी हुसैन ने कहा कि 50 साल के इस ऐतिहासिक पड़ाव की मेजबानी करना उनके लिए सम्मान की बात है। उन्होंने कहा कि देश के बड़े ब्रांड्स का समर्थन यह दिखाता है कि भारतीय खेल मीडिया नेटवर्क कितनी तेजी से मजबूत हुआ है। इस आयोजन को युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, भारतीय ओलंपिक संघ और इंटरनेशनल स्पोर्ट्स प्रेस एसोसिएशन का भी समर्थन प्राप्त है।

खेल कान्क्लेव और प्रतियोगिताएं रहेंगी आकर्षण

चार दिनों तक चलने वाले इस आयोजन में खेल और मीडिया जगत के कई दिग्गज हिस्सा लेंगे। कार्यक्रम में ग्रैंड स्पोर्ट्स कान्क्लेव, जेके बोस इंटर-जोनल टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट, एसी बाली टेबल टेनिस टूर्नामेंट और माडर्न पिथियन गेम्स जैसी गतिविधियां आयोजित होंगी। इसके अलावा बास्केटबाल, फुटसल और गोल्फ पुटिंग प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाएंगी। इस दौरान मीडिया, खेल प्रशासन और कार्पोरेट जगत से जुड़े लोगों को आपस में संवाद और नेटवर्किंग का बड़ा मंच मिलेगा। 250 से अधिक प्रतिनिधियों की भागीदारी एसजेएफआई का नेशनल कन्वेंशन देश का सबसे प्रतिष्ठित वार्षिक आयोजन माना जाता है, जिसमें 250 से अधिक वरिष्ठ खेल पत्रकार, खेल प्रशासक, खिलाड़ी और नीति निर्माता भाग लेते हैं। गोल्डन जुबली संस्करण विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि यह एसजेएफआई के 50 वर्षों की यात्रा और भारतीय खेल पत्रकारिता में उसके योगदान का उत्सव भी है। यह आयोजन खेल पत्रकारिता, खेल प्रशासन और भारतीय खेल परिदृश्य में संवाद का एक प्रमुख मंच माना जाता है।

धोनी ने गंभीर की प्रशंसा करते हुए कहा, आपकी मुस्कान शानदार लग रही

मुम्बई

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी ने आईसीसी टी20 विश्वकप में भारतीय टीम की जीत के बाद मुख्य कोच गौतम गंभीर की प्रशंसा करते हुए उनके प्रति आभार जताया है। धोनी फाइनल के दौरान वीवीआईपी बाक्स में पूर्व कप्तान रोहित शर्मा और आईसीसी चेयरमैन जय शाह के साथ बैठे थे। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा कर अपनी खुशी भी व्यक्त की है। धोनी ने लिखा, कोच साहब, आपकी मुस्कान बहुत शानदार लग रही है। मुस्कान के साथ आपकी जीत कमाल की है, बहुत अच्छा किया।, गौरतलब है कि गंभीर की छवि काफी सख्त कोच की रही है और वह अपने नाम के अनुरुप हमेशा ही गंभीर मुद्रा में दिखते हैं। इसके अलावा धोनी से भी उनके संबंध अच्छे नहीं माने जाते रहे हैं।

धोनी ने इस बार गर्मजोशी से गंभीर के प्रति अपनी बात कही है। उन्होंने टीम में नए नेतृत्व के तहत हुए बदलाव को भी सही बताया। उन्होंने साथ ही लिखा, अहमदाबाद में इतिहास बन गया। टीम, सहयोग स्टाफ और भारतीय क्रिकेट टीम के सभी प्रशंसकों को बहुत-बहुत बधाई। आप सभी को खेलते देखना बहुत खुशी की बात है। कोच साहब वाली टिप्पणी मजाकिया अंदाज में गंभीर के लिए थी, जो गंभीर छवि के लिए जाने जाते हैं।

धोनी की गंभीर की जीत के बाद मुस्कान पर की गई मजाकिया टिप्पणी से भी पता चलता है कि दोनों के बीच मतभेद की जो बातें आती रही हैं। वे सभी गलत हैं। सोशल मीडिया पर आम तौर पर गंभीर और धोनी को अच्छा दोस्त नहीं माना जाता पर इन दोनो ने ही कई बार उन्होंने इन अफवाहों को गलत साबित किया है। धोनी ने मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की भी प्रशंसा की है। बुमराह ने न्यूजीलैंड के शीर्ष क्रम को अपनी गेंदबाजी से ढ़हा दिया था। इसी को देखते हुए धोनी ने लिखा: बुमराह के बारे में कुछ ना लिखूं तो ही अच्छा है चैंपियन गेंदबाज। इससे साफ है कि बुमराह के बारे में कुछ भी लिखना बेकार है।

सबसे ज्यादा टी20 विश्वकप हारने वाली तीसरी टीम बनी न्यूजीलैंड

अहमदाबाद। भारतीय टीम के खिलाफ टी20 विश्वकप के फाइनल में मिली करारी हार के साथ ही न्यूजीलैंड की टीम अब सबसे अधिक टी20 विश्वकप फाइनल हारने वाली तीसरी टीम बन गयी है। इससे पहले पाकिस्तान और श्रीलंका सबसे ज्यादा टी20 विश्व कप फाइनल हारने वाली सूची में शामिल थीं। यह टी20 विश्व कप फाइनल में कीवी टीम की दूसरी हार है। इससे पहले न्यूजीलैंड की टीम 2021 टी20 विश्वकप कप फाइनल में आस्ट्रेलिया से हार गयी थी। टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास में अब तीन टीमें ऐसी हो गई है, जो दो बार फाइनल में हार हैं। न्यूजीलैंड से पहले पाकिस्तान और श्रीलंका की टीमों के नाम ये अनचाहा रिकार्ड था। पाकिस्तान को भारतीय टीम के खिलाफ 2007 टी20 विश्व कप फाइनल में हार के बाद 2022 में इंग्लैंड से हार मिली थी। वहीं श्रीलंका को 2009 में पाक जबकि 2012 के फाइनल में वेस्टइंडीज ने हराया था। पाकिस्तान और श्रीलंका ने हालांकि एक-एक बार खिताब जीता था पर कीवी टीम को एक भी जीत नहीं मिली है। न्यूजीलैंड के हाथ एक भी बार यह खिताब नहीं लगा है।

टी-20 वर्ल्ड कप ट्राफी के साथ हनुमान मंदिर पहुंचे कप्तान सूर्य, आईआईसी चेयरमैन जय शाह व कोच गंभीर भी रहे साथ

अहमदाबाद

आईसीसी टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल में न्यूजीलैंड को हराकर भारत ने ऐतिहासिक जीत हासिल की। इस शानदार जीत के बाद भारतीय टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर और आईसीसी चेयरमैन जय शाह के साथ अहमदाबाद के प्रसिद्ध हनुमान मंदिर में दर्शन करने पहुंचे। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

वायरल वीडियो में कप्तान सूर्यकुमार यादव के हाथ में चमचमाती वर्ल्ड कप ट्राफी दिखाई दे रही है। जीत की खुशी के बीच कप्तान यादव, आईसीसी के चेयरमैन जय शाह और भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने

हनुमानजी के चरणों में माथा टेककर आशीर्वाद लिया। आईसीसी टी-20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद देशभर में जश्न मनाया जा रहा है। वहीं टीम के नेतृत्व की सादगी और आस्था ने भी लोगों का दिल जीत लिया।

उल्लेखनीय है कि अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में खेले गए फाइनल मैच में भारतीय टीम ने न्यूज़ीलैंड को 96 रन से हराकर लगातार दूसरी बार और कुल तीसरी बार टी-20 वर्ल्ड कप का खिताब अपने नाम किया है। इससे पहले वर्ष 2024 में भारत ने दक्षिण अफ्रीका को हराकर चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया था। इस जीत के साथ भारत टी-20 वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा तीन बार ट्राफी जीतने वाली टीम बन गई है।

टी20 विश्व कप जीत के बाद सूर्यकुमार यादव का अगला लक्ष्य ओलंपिक स्वर्ण पदक

नई दिल्ली

टीम इंडिया के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप का खिताब जीतने के बाद अब अपना अगला बड़ा लक्ष्य तय कर लिया है। उन्होंने कहा कि टीम का अगला लक्ष्य ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतना और उसी साल होने वाला अगला टी20 विश्व कप जीतना है।

अहमदाबाद में न्यूज़ीलैंड को 96 रन से हराकर खिताबी जीत के बाद आयोजित प्रेस कान्फ्रेंस में सूर्या ने कहा, अब हमारा अगला लक्ष्य ओलंपिक है। ओलंपिक गोल्ड और उसी साल होने वाला टी20 विश्व कप भी। इसे भूलिए मत।

बता दें कि 2028 ग्रीष्मकालीन ओलंपिक अगस्त 2028 में लास एंजेलिस में आयोजित होंगे। वहीं टी20 विश्व कप का अगला संस्करण उसी साल आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में खेला जाएगा।

सूर्यकुमार यादव के इस बयान से उनके भविष्य को लेकर चल रही अटकलों पर विराम लग गया है। इससे पहले रोहित शर्मा ने 2024 में टी20 विश्व कप जीतने के बाद अंतरराष्ट्रीय टी20 क्रिकेट से संन्यास ले लिया था।

सूर्यकुमार यादव ने कहा कि विश्व कप जीत का एहसास अभी पूरी तरह से महसूस नहीं हुआ है।

उन्होंने कहा, अभी हम मैच से बाहर आए हैं, इसलिए इस जीत को पूरी तरह महसूस करने में थोड़ा समय लगेगा। जब हम घर जाएंगे और अगले दिन उठेंगे, तब शायद इस जीत का असली एहसास होगा। पिछले दो साल का सफर अविश्वसनीय रहा है।

भारत ने टूर्नामेंट में खेले गए नौ में से आठ मैच जीते। हालांकि शुरुआत आसान नहीं रही। टीम को पहले मैच में संयुक्त राज्य अमेरिका के खिलाफ संघर्ष करना पड़ा और सुपर-8 चरण में दक्षिण अफ्रीका से हार का सामना करना पड़ा।

कप्तान ने कहा कि चेन्नई में जिम्बाब्वे के खिलाफ मैच के बाद टीम ने अलग अंदाज का क्रिकेट खेलना शुरू किया और आत्मविश्वास बढ़ता गया।

सूर्यकुमार यादव ने बताया कि 2024 के टी20 विश्व कप फाइनल में लिया गया उनका यादगार कैच उनके जीवन का टर्निंग प्वाइंट बना। उसी के बाद जब उन्हें कप्तानी मिली तो उन्होंने 2026 में भारत में होने वाले विश्व कप को लक्ष्य बनाकर टीम को तैयार करना शुरू किया।

उन्होंने कहा कि टीम ने 2024 के बाद से आक्रामक और अलग अंदाज का क्रिकेट खेलना शुरू किया। इसी रणनीति के साथ भारत ने आईसीसी चैंपियंस ट्राफी 2025 भी जीती और अब घरेलू मैदान पर टी20 विश्व कप का खिताब अपने नाम किया। सूर्यकुमार यादव ने कहा, हम इसी तरह आक्रामक क्रिकेट खेलते रहना चाहते हैं और 2027, 2028 और 2029 में भी यही रवैया जारी रहेगा।

खाली पेट खाएं अंगूर, इन बीमारियों से रहेंगे हमेशा दूर

अंगूर का सेवन बहुत से लोग करते है। भले ही अंगूर टेस्ट में मीठा हो लेकिन इसमें शुगर की बिल्कुल भी मात्रा नहीं होती है। अंगूर में सभी जरूरी पोषक तत्व जैसे जल, सोडियम, पोटेशियम, साइट्रिक एसिड, मैगनेशियम और आयरन मौजूद होते है जो शरी को कई बीमारियों से बचाकर रखते है। अगर अंगूर का सेवन सुबह खाली पेट किया जाए तो ज्यादा फायदा मिलता है। हम आपको कुछ ऐसे बीमारियों के बारे में बताएंगे, जिनमें अंगूर का सेवन काफी फायदेमंद होता है।

माइग्रेन का दर्द

माइग्रेन एक ऐसी बीमारी है, जिसमें सिर का आधा हिस्सा दर्द करने लगता है। अंगूर का जूस माइग्रेन का दर्द दूर करने में सहायक है। इसके अलावा माइग्रेन के दर्द में अंगूर का सेवन करने से भी राहत मिलती है।

एनीमिया

जब शरीर में खून की कमी हो जाए तो उसे एनीमिया कहते है। एनीमिया का बीमारी को जड़ से खत्म करने के लिए अंगूर सबसे अच्छा तरीका है। रोजाना खाली पेट अंगूर का सेवन करें। इससे काफी फायदा मिलेगा।

हार्ट अटैक

हार्ट अटैक जैसी गंभीर बीमारियों में भी अंगूर काफी फायदेमंद है। अंगूर का फल हार्ट अटैक के मरीज के लिए एसप्रिन की गोली की तरह काम करता है क्योंकि एसप्रिन की गोली शरीर में खून के थक्के जमने नहीं देती जिससे हार्ट ठीक रहता है। अगर आप भी हार्ट अटैक के मरीज है तो काले अंगूर का रस पिएं।

कैंसर

अंगूर में पॉली-फेनोलिक फाइटोकेमिकल मौजूद होते है जो शरीर को न केवल कैंसर से, बल्कि कोरोनरी हार्ट डिजीज, नर्व डिजीज, अल्जाइमर और फंगल इन्फेक्शन से लड़ने की क्षमता प्रदान करते हैं।

रक्तस्राव के बाद क्षतिपूर्ति

शरीर के किसी भी भाग से जब ज्यादजा खून बह जाए तो अंगूर के एक गिलास जूस में दो चम्मच शहद मिलाकर पिएं। इससे रक्त की क्षतिपूर्ति हो जाएगी।

फोड़े-फुंसियों और मुंहासों से राहत

अंगूर फोड़े-फुंसियों और मुहासों को सुखाने में सहायक होता है। अंगूर के रस के गरारे करने से मुंह के घावों और छाले भी दूर हो जाते है।

पसीने के दाग मिनटों में हो जाएंगे साफ

बस करें ये काम

कपड़ों से इंसान के स्टाइल की पहचान होती है। फैशन में बने रहने के लिए लोग महंगे और ब्राडेड आउटफिट्स खरीदते हैं लेकिन उम्स भरे मौसम में पसीने के कारण इन पर दाग पड़ जाते हैं। जिससे आपको कई बार दूसरों के सामने शर्मिंदा भी होना पड़ता है। इन दागों को साफ करना भी कोई आसान काम नहीं है। कई बार तो कपड़ों को रगड़-रगड़ कर यह कमजोर भी हो जाते हैं। इनको आसानी से साफ करने के लिए आप कुछ आसान से टिप्स बता रहे हैं,जिससे आपको बहुत आसानी होगी।

1. नमक

पसीने के दाग को आसानी से छुड़ाना है तो 1 कप पानी में 1 चम्मच नमक डाल दें। इसे दाग पर लगा कर हल्के हाथों से रगड़े। बाद में डिश वॉशर के साथ धो लें। दाग साफ हो जाएंगे।

2. सिरका

सिरका कपड़े के दाग मिटाने में बहुत फायदेमंद है। कपड़े को धोने से पहले दाग पर थोड़ा-सा सिरका लगाकर हल्के हाथ से रगड़ें। इसके बाद कपड़ों को धो लें।

3. नींबू

पसीने के दाग को आसानी और सस्ते में साफ करने के लिए नींबू के रस को पानी में मिलाकर दाग वाली जगह लगा दें और बाद में इसे धो लें।

4. बेकिंग सोड़ा

बेकिंग सोड़ा कपड़ों से दाग मिटाने में बहुत कारगर है। आप पसीने के दाग को मिटाने के लिए बेकिंग सोडे को पानी में डालकर भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

5. एस्पिरिन

पसीने वाले कपड़ों को साफ करने के लिए एस्पिरिन की गोली भी इस्तेमाल कर सकते हैं। पानी में दो एस्पिरिन की गोलियां डालकर इसमें कपडों को 1-2 घंटे के लिए भिगों कर रखें। इसके बाद इन्हें धो लें।

क्या आप जानते है बालों में तेल लगाने से होते हैं कई नुकसान

हम यही सुनते आएं हैं कि बालों में तेल लगाने कई फायदे हैं।बात सही भी है तेल लगाने से बालों में चमक आने के साथ-साथ टूटे हुए बालों की मरम्मत होती है और बाल घने होते हैं। लेकिन इन फायदों के साथ-साथ तेल लगाने के कई सारे नुकसान भी हैं।हम बालों को मजबूत बनाने के लिए तेल लगाते हैं लेकिन बहुत ज्यादा देर तक लगा रह जाए तो नुकसान करता है।क्योंकि सिर की त्वचा कुछ प्राकृतिक तेल पैदा करती है जिससे नमी बनी रहती है जो अच्छी होती है। लेकिन बहुत ज्यादा देर तक तेल लगाए रखा तो ज्यादा नमी हो जाएगी जिससे फुंसी और दाने होने का डर रहता है।

अगर आप बाल धुलने से कुछ घंटे पहले तेल लगाते हैं या फिर रात में सोते समय बालों और सिर की मसाज करते हैं और सुबह उठते ही धो देते है। इससे आप बालों में नमी की ज्यादा मात्रा होने से बचा देते हैं। इस नमी की वजह से चेहरे पर मुंहासे और दाने होने लगते हैं। सिर पर तेल लगाने से कई बार चेहरे पर भी लग जाता है जिससे गंदगी जमा होती है जो मुंहासे पैदा करता है।जाकारों के मुताबिक बालों में तेल लगाने का समय निश्चित होना चाहिए।बहुत ज्यादा तेल चुपड़ लेने से भी नुकसान होता है। स्कैल्प के हिसाब से तेल लगाएं। उतना ही लगाएं जिससे बाल सारी नमी सोख लें। बहुत ज्यादा चिकनाहट हो जाए तो उसे पोछ लें।

कैलरी कॉन्शस हैं तो न खाएं पापड़, बढ़ता है मोटापा

आजकल बाजार में तरह-तरह के स्वाद और रंग वाले पापड़ और चिप्स मिल जाएंगे। अक्सर लोग खाने के साथ रोस्टेड पापड़ या फिर तले हुए पापड़ खाना पसंद करते हैं। यहां तक कि कॉकटेल स्नैक के तौर पर भी इन दिनों पापड़ ही सर्व किया जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि आपकी जीभ को बेहद पसंद आने वाला यह पापड़ आपकी सेहत के लिए कितना हानिकारक है...

साफ नहीं होते

पापड़ बनाने वाली कई फैक्ट्रियां साफ नहीं होतीं। इन्हें हाथों से बनाया जाता है और फिर इन्हें सुखाने के लिए धूप में खुले स्थान पर रखा जाता है, जहां इनमें धूल-मिट्टी पड़ती रहती है।

न खाएं तले पापड़

तले हुए पापड़ों में तेल और फैट दोनों ही अधिक होती है। शोध के अनुसार तले और आग पर भुने हुए पापड़ में एक्रिलामाइड जो एक टॉक्सिन है, उसकी मात्रा बढ़ जाती है। इससे बेचैनी, घबराहट और मूड स्विंग जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

अपच की समस्या

दुकान से खरीदे हुए पापड़ों में अक्सर आर्टिफिशल फ्लेवर और मसाले मिलाए जाते हैं जो कि पेट के लिए खराब तो होते ही हैं साथ में ज्यादा खाने पर अपच भी हो जाती है।

मोटापे की समस्या

दो पापड़ एक रोटी के बराबर होता है। अगर आप कैलरी नहीं बढ़ाना चाहते हैं तो पापड़ खाने की गलती कभी ना करें।

इन कारणों से जल्दी खराब हो जाता है स्मार्टफोन, इनसे बचें

स्मार्टफोन का इस्तेमाल तो सभी करते हैं। स्मार्टफोन इस्तेमाल करते समय इसका खराब होना भी आम बात हो गई है। लेकिन क्या आप जानते हैं ज्यादातर फोन कंपनी की गलती से नहीं, बल्कि यूजर की गलती से खराब होते हैं? आगे हम कुछ ऐसी ही गलतियों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसे अक्सर जाने-अनजाने में हम और आप करते हैं और इसका असर स्मार्टफोन पर होता है।

रात भर चार्जिंग पर रखना

हालांकि, कुछ फोन में यह ऑप्शन होता है कि फुल चार्ज होते ही चार्जिंग बंद हो जाती है, लेकिन हमारे यहां बिजली की स्थिति बहुत अच्छी न होने के कारण पावर हमेशा एक समान नहीं रहता है। ऐसे में रात भर फोन को चार्जिंग में लगाने से फोन और चार्जर दोनों को नुकसान पहुंच सकता है।

डैशबोर्ड पर फोन रख देना

अक्सर लोग कार के डैशबोर्ड पर फोन रख देते हैं। वे यह नहीं जानते कि ऐसा करना कितना नुकसानदेह है। कार का डैशबोर्ड अक्सर गर्म होता है, जिससे फोन की बैटरी कैपेसिटी कम हो जाती है। यदि ज्यादा गर्म हुआ तो फिर फटने का भी डर रहता है। वहीं गाड़ी मुड़ने के क्रम में गिरने का भी डर रहता है, इसलिए फोन को डैशबोर्ड पर न रखें।

मेटल कवर का उपयोग-

फोन की सुरक्षा के लिए यूजर अक्सर मेटल कवर का उपयोग करते हैं, लेकिन इससे फोन में नेटवर्क की समस्या हो सकती हैं। मेटल कवर की वजह से फोन का एंटीना बैंड सही तरह से काम नहीं करता है। ऐसे में कवर लगाते समय अच्छी तरह परख लें कि उसमें मेटल का उपयोग न हो।

नकली चार्जर और ईयरफोन लगाना

अक्सर लोग किसी भी चार्जर को अपने फोन से कनेक्ट कर देते हैं। नकली चार्जर न सिर्फ फोन खराब कर सकता है, बल्कि उसे पूरी तरह से बर्बाद कर सकता है। इतना ही नहीं, किसी दूसरे चार्जर या ईयरफोन के उपयोग से भी बचें, क्योंकि किसी का पिन ढीला होता है, तो किसी का छोटा। इससे फोन का स्लॉट भी खराब हो सकता है।

कहीं से भी ऐप्स इंस्टॉल करना

एंड्रॉयड फोन में कभी ब्लूटूथ, कभी किसी पीसी से, तो कभी कार्ड से एप इंस्टॉल कर लेते हैं, लेकिन यह नहीं जानते कि कितनी बड़ी भूल कर रहे हैं, क्योंकि इससे थर्ड पार्टी एप स्टोर और साइड लोडिंग की वजह से फोन में वायरस आने का खतरा होता है।

कहीं भी फोन को रख देना

फोन रखने को लेकर लोग लापरवाह होते हैं। जहां बैठते हैं वहीं रख देते हैं। रखने से पहले यह नहीं देखते कि नीचे का सर्फेस कैसा है। सख्त सर्फेस पर कैमरे और बॉडी पर स्क्रैच पड़ने का खतरा होता है।

मधुमेह में लाभकारी मखाने के चार दाने

डायबिटीज यानी शुगर की बीमारी। बदलते लाइफस्टाइल में यह रोग इतनी तेजी से फैल रहा है कि ज्यादातर लोग इसकी चपेट में आते चले जा रहे है। यह रोग ऐसा है कि इससे खून में शुगर की मात्रा अधिक हो जाती है, जिससे शरीर में इंसुलिन बनना बंद हो जाता है। यह बीमारी काफी गंभीर है जो आगे चलकर कई बीमारियों की जड़ बनती है। अगर शुगर के मरीज को कोई घाव भी लग जाए तो वह जल्दी से भरने का नाम नहीं लेता। शुगर के मरीज को दवाईयों और टीकों के सहारे जीना पड़ता है लेकिन इस रोग के कुछ घरेलू नुस्खे भी है जिससे इस रोग को जड़ से खत्म किया जा सकता है।

जी हां, आप मखाने के चार दानों का सेवन करके शुगर से हमेशा के लिए निजात पा सकते है। इसके सेवन से शरीर में इंसुलिन बनने लगता है और शुगर की मात्रा कम हो जाती है। फिर धीरे-धीरे शुगर रोग भी खत्म हो जाता है।

सेवन की विधि

अगर आप जल्द से जल्द मधुमेह को खत्म करना चाहते है तो सुबह खाली पेट चार दाने मखाने खाएं। इनका सेवन कुछ दिनों तक लगातार करें। इससे मधुमेह का रोग तेजी से खत्म होगा।

दिल के लिए फायदेमंद

मखाना केवल शुगर के मरीज के लिए ही नहीं बल्कि हार्ट अटैक जैसी गंभीर बीमारियों में भी फायदेमंद है। इनके सेवन से दिल स्वस्थ रहता है और पाचन क्रिया भी दुरूस्त रहती है।

तनाव कम

मखाने के सेवन से तनाव दूर होता है और अनिद्रा की समस्या भी दूर रहती है। रात को सोने से पहले दूध के साथ मखानों का सेवन करें।

जोड़ों का दर्द दूर

मखाने में कैल्शियम भरपूर मात्रा में होता है। इनका सेवन जोड़ों के दर्द, गठिया जैसे मरीजों के लिए काफी फायदेमंद साबित होता है।

पाचन में सुधार

मखाना एंटी-ऑक्सीडेंट से भरपूर होता है जो सभी आयु वर्ग के लोगों को आसानी से पच जाता है। इसके अलावा फूल मखाने में एस्?ट्रीजन गुण भी होते हैं जिससे यह दस्त से राहत देता है और भूख में सुधार करने के लिए मददगार है।

किडनी को मजबूत

फूल मखाने में मीठा बहुत कम होने के कारण यह स्प्लीन को डिटॉक्सीफाइ करता है। किडनी को मजबूत बनाने और ब्लड को बेहतर रखने के लिए खानों का नियमित सेवन करें।

बालों को रंगने से हो सकती है ये घातक बीमारी

जो महिलाएं बालों को रंगने के लिए रासायनिक रंगों का इस्तेमाल करती हैं, उनमें स्तन कैंसर का खतरा बढ़ रहा है। शोध नुसार, बालों को रंगने के लिए प्रयोग किए गए पदार्थो और हार्मोनल गर्भनिरोधक से महिलाओं में कैंसर की संभावना बढ़ जाती है। गलत लाइफस्टाइल की वजह से औरतों में ज्यादा होता है। रसायनिक रंगों से रंगने के कारण ये खतरा 23% तक बढ़ जाता है।

रेसिपी

पनीर दही वड़ा चाट

सामग्री

पनीर 200 ग्राम, उबले आलू - 2, अरारोट - 2 टेबल स्पून, तेल - तलने के लिये, हरी मिर्च - 1 (बारीक कटी हुई), अदरक - 1/2 इंच टुकड़ा (कद्दूकस किया हुआ), नमक - 1/2 छोटी चम्मच या स्वादानुसार।

परोसने के लिये: दही - 3 - 4 कप, हरी चटनी - 1 कप, मीठी चटनी - 1 कप, लाल मिर्च पाउडर - 1-2 छोटी चम्मच, भूना जीरा - 2-3 टेबल स्पून काला नमक - 2 टेबल स्पून।

विधि

एक प्लेट में पनीर को कद्दूकस कर लीजिए, और आलू को छील कर कद्दूकस कर लीजिए, अरारोट डाल कर मिला दीजिए, मिश्रण में नमक, अदरक और हरी मिर्च डालकर अच्छी तरह से मसल मसल कर गूंथ लीजिये। वड़े बनाने के लिए मिश्रण तैयार है। एक कड़ाही में वड़े तलने के लिये तेल डालिये और गरम कीजिये। मिश्रण से थोड़ा सा मिश्रण निकाल कर गोल कीजिये और हथेली से दबाकर चपटा करें, वड़े को गरम तेल में डालिये, 3-4 वड़े बनाकर कढ़ाई में डालिये और वड़ों को पलट-पलट कर सुनहरा होने तक तल लीजिये। तले हुए वड़े किसी प्लेट पर बिछे नैपकिन पेपर पर निकाल कर रख लीजिये। इसी तरह सारे बड़े बनाकर तैयार कर लीजिये। एक प्लेट में 3-4 पनीर वड़े रख दीजिए। अब इसके ऊपर थोड़ी मीठी चटनी और हरी चटनी डाल दीजिए। अब एक बार फिर से दही और थोड़ा सा काला नमक, भूना हुआ जीरा और लाल मिर्च पाउडर बुरक दीजिए।

केसरी मलाई पेड़ा

सामग्री

चार कप दूध,केसर 5-6 धागे, एक चुटकी साइटट्रिक एसिड, थोड़े से दूध से दो चम्मच कार्नफ्लोर गूंदा हुआ

एक चौथाई चम्मच इलायची पाउडर, 10 चम्मच स्वीटनर

थोड़े कटे हुए बादाम

विधि

एक गहरा पैन लें इसमें दूध को गाढ़ा होने तक उबालें अब इसमें केसर के धागे डालें और अच्छी तरह से मिलाएं फिर दो चम्मच पानी लें इसमें साइट्रिक एसिड मिलाकर गाढ़ा दूध मिला दें फिर इसमें गूंदा हुआ आटा डालकर मिश्रण के थोड़े पतले होने का इंतजार करें। इसके बाद इसमें इलायची का पाउडर डालकर अच्छी तरह मिलाएं। फिर एक पैन लें और इसमें शुगर फ्री नैचुरल डायट शुगर मिलाकर गर्म करें और ठंडा होने के लिए एक तरफ रख दें और ठंडा होने के बाद मिश्रण में डाल दें फिर इस मिश्रण को बराबर काट लें और उन्हे पेड़े का आकार दें और फिर इन पेड़ो पर बादाम छिड़के अब आपकी शुगर फ्री केसरी मलाई पेड़ा तैयार आप है। इसे खुद भी खाएं और मेहमानो को भी खिलाएं।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**